CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 137 ता. 23 नवम्बर 2021,मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

40वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 2021

24 नवम्बर को मनाया जाएगा राजस्थान दिवस

नई दिल्ली ।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 14 दिवसीय 40वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में इस वर्ष राजस्थान दिवस का आयोजन बुधवार को 24 नवम्बर को किया जाएगा। राजस्थान पर्यटन के दिल्ली स्थित पर्यटक स्वागत केन्द्र के प्रभारी अधिकारी छत्रपाल यादव ने बताया कि राजस्थान दिवस का आयोजन नवनिर्मित हॉल नम्बर 5 के सामने स्थित (एएमपीएचआई) एम्फी थियेटर में सांय 5.30 बजे से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान दिवस समारोह में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आमंत्रित राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा राजस्थान के परम्परागत नृत्य कलाओं एवं संगीत का प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें खड़ताल, घूमर, कालबेलियां आदि नृत्य शामिल है।

संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले होगी सर्वदलीय बैठक, पीएम मोदी भी हो सकते हैं शामिल

नेशनल डेस्क:

संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इससे एक दिन पहले 28 नवंबर यानी शनिवार को सर्वदलीय बैठक होगी। खबरों के मुताबिक, ÷यह बैठक रविवार सुबह 11 बजे होगी। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं। इस बैठक में शीतकालीन सत्र के दौरान संसद को ठीक प्रकार से चलाने के लिए विपक्षी दलों के साथ चर्चा हो सकती है। फिलहाल अभी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि पीएम मोदी सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे या फिर नहीं। शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होकर 23 दिसबंर तक चलेगा। लोकसभा सचिवालय के एक आधिकारिक विज्ञप्ति में जानकारी दी गई है कि सत्रहवीं लोकसभा का सातवां संसद सत्र सोमवार 29 नवंबर से शुरू होगा और इसके समाप्त होने की संभावना 23 दिसंबर तक है।

विपक्ष कर रहा मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करने के बाद विपक्ष अभी सरकार को छोड़ने के मूड़ में नहीं है। शीतकालीन सत्र में एक बार फिर पैगासस जासूसी का मामला, राफेल घोटाला, महंगाई और कोरोना वैक्सीनेशन जैसे कई अहम मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। वहीं, किसानों ने भी 29 नवंबर को ट्रैक्टर मार्च निकालने का ऐलान किया है। किसानों ने सरकार के सामने कानून वापसी के ऐलान के बाद 6 सूत्रीय मांगों को सामने रख दिया है। इससे सरकार की परेशानी और बढ़ सकती है।

राहुल गांधी ने लिखा किसानों को खुला पत्र

उधर, कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब विपक्षी दल और किसान एमएसपी के मुद्दे पर सरकार से सवाल कर रहे हैं। कृषि कानूनों की वापसी के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसानों को खुला पत्र लिखकर कहा था कि किसान भाइयों अभी संघर्ष खत्म नहीं हुआ है, एमएसपी का मुद्दा अभी भी पहले जैसा है। किसानों की मांग के साथ साथ विपक्ष लगातार बढ़ती मंहगाई पर भी सरकार को घेरने का प्लान बना रही है।

ईडी और सीबीआई का भी उठ सकता है मुद्दा

संसद का मानसून सत्र विवादास्पद कृषि कानूनों के साथ साथ दूसरे कई मुद्दों को लेकर विपक्ष के शोर-शराबे और हंगामें की बलि चढ़ गया था। पिछले हफ्ते, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में लगातार हो रहे हंगामें और व्यवधान का मुद्दा भी उठाया था। उन्होंने विधायकों को आत्म अनुशासन विकसित करने के लिए राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करने की अपील की थी। माना जा रहा है कि विपक्ष इस संसद सत्र में ईडी और सीबीआई निदेशकों के कार्यकाल को बढ़ाने पर भी चर्चा कर सकता है।

मांगों पर कायम किसान महापंचायत, जारी रहेगा विरोध प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)।

लखनऊ की किसान महा पंचायत ने सोमवार को किसानों द्वारा प्रधानमंत्री को सौंपे गए छह सूत्रीय चार्टर को दृढ़ता से दोहराया और स्पष्ट किया कि अभी उनका आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। किसान यूनियनों के एक छत्र संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि उनका विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने सहित उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है। कई राज्यों के हजारों किसानों को संबोधित करते हुए बीकेयू के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा, हमारी सभी मांगें पूरी होने तक हमारा आंदोलन खत्म नहीं होने वाला। हम पूरे देश में इसी तरह की पंचायतें आयोजित करेंगे और जो लोग सोचते हैं कि यह मुद्दा खत्म हो गया है, दुख की बात है कि वे गलत हैं। उन्होंने कहा कि एमएसपी गारंटी उनकी सबसे बड़ी मांग है। टिकैत ने कहा, हम न्यूनतम समर्थन मूल्य को सभी फसलों और सभी किसानों के लिए कानूनी अधिकार के रूप में सी2 प्लस 50 प्रतिशत (उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक) के फामूर्ले पर आधारित बनाना चाहते हैं। हमारे पत्र में हमने प्रधानमंत्री को याद दिलाया है कि उनकी अध्यक्षता में एक समिति ने 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री से इसकी सिफारिश की थी और उनकी सरकार ने बाद में संसद में भी इसकी घोषणा की थी। महा पंचायत में बड़ी संख्या में किसान लखीमपुर खीरी से आए थे और 3 अक्टूबर की घटना का मुद्दा, जिसमें केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की एक एसयूवी द्वारा कथित तौर पर चार किसानों को कुचल दिया गया था, महा पंचायत में प्रमुखता से उठा। किसानों ने मंत्री की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग की, जो इस मामले में आरोपी हैं। उनका बेटा आशीष मिश्रा पहले से ही जेल में है। टिकैत ने कहा कि उन्हें पता चला है कि सरकार डेयरी विकास पर नई नीति ला रही है और किसान चाहते हैं कि इस मुद्दे पर उनसे सलाह ली जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की अगली बैठक 26 नवंबर को दिल्ली की सीमा पर होगी। इस बीच, किसानों ने आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले किसानों की याद में एक स्मारक के लिए सिंघु सीमा पर जमीन की मांग भी की। टिकैत ने मृतक किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की भी मांग की। अन्य मांगों में बिजली नियमन संशोधन विधेयक को वापस लेना, दिल्ली सीमा आंदोलन और पराली जलाने से संबंधित सभी मामलों को वापस लेना शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने रविवार को प्रधानमंत्री को एक खुले पत्र में छह शर्तें रखीं और सरकार द्वारा किसानों के साथ इन पर चर्चा करने में विफल रहने पर आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

मणिपुर में दूसरी बार सत्ता में वापसी करेगी भाजपा : शाह

इंफाल (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि मणिपुर में भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी करेगी क्योंकि पार्टी ने काफी वर्षों तक आतंकवाद से जूझ रहे राज्य में शांति बहाल कर दी है। गृह मंत्री ने कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद लगातार नाकेबंदी, बंद और अन्य गड़बड़ी को रोक दिया गया है और विकास के लिए एक नया मिशन शुरू हुआ है। 60 सीटों वाली मणिपुर विधानसभा के लिए अगले साल फरवरी-मार्च में चुनाव होने की संभावना है। मणिपुर के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में भी चुनाव होने हैं। शाह ने मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के लुआंगकाओ गांव में दिल्ली से वर्चुअल तरीके से रानी गैदिनल्यू आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की आधारशिला रखने के बाद कहा, मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आगामी विधानसभा चुनावों में दूसरी बार भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य का विकास और तेज होगा। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्रालय ने जनजातीय संग्रहालय परियोजना के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में एक खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, नए विधानसभा भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही करेंगे और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की गई हैं। गृह मंत्री ने रानी गैदिनल्यू सहित मणिपुर के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का माउंट हैरियट, जहां मणिपुर के महाराजा कुलचंद्र ध्वज सिंह और 22 अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को कैद किया गया था, का पिछले महीने नाम बदलकर माउंट मणिपुर कर दिया गया। शाह ने कहा कि देश के लिए उनके बलिदान को सम्मान देने और याद करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति के दौरान और 1891 में भी पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अंग्रेजों का विरोध करने में मणिपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा था। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मणिपुर के स्वतंत्रता सेनानियों ने हमेशा लड़ाई में अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। मणिपुरी युद्ध नायक युवराज टिकेंद्रजीत और जनरल थंगल इंफाल को फिदा में सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई थी। अंग्रेजों ने सोचा था कि उन्हें फांसी देकर, उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को कुचल दिया है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमान जनवरी से होंगे अपग्रेड, अगले 12 से 15 महीनों में विमान में अपग्रेड लगाए जाएंगे

नई दिल्ली.

भारतीय वायु सेना ने इस साल 28 जुलाई को पूर्वी वायु कमान (ईएसी) के वायु सेना स्टेशन हासीमारा में नंबर 101 स्क्वाड्रन में औपचारिक रूप से राफेल विमान को शामिल किया था। 101 राफेल विमान से लैस होने वाला दूसरा स्क्वाड्रन है। अगले तीन महीनों में भारत अपने राफेल लड़ाकू विमानों के बेड़े को भारत-विशिष्ट संवर्द्धन के साथ अपग्रेड करना शुरू कर देगा, जो उन्हें और अधिक सक्षम बनाएगा। भारतीय वायु सेना की एक टीम फ्रांस में आरबी-008 विमान में किए जा रहे भारत-विशिष्ट संवर्द्धन का आकलन करने के लिए है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि अगले 12 से 15 महीनों में विमान में अपग्रेड लगाए जाएंगे। 2016 के अनुबंध में पक्ष सरकारी सूत्रों ने बताया भारतीय वायु सेना के अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय टीम फ्रांस में आईस्ट्रेस एयरबेस पर टेल नंबर आरबी-008 के साथ परीक्षण किए गए विमान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए है। विमान को सभी भारत विशिष्ट संवर्द्धन से लैस किया गया है, जिस पर दोनों के बीच सहमति हुई है। उन्होंने कहा कि संवर्द्धन में उपग्रह संचार अनुकूलता, जैमर और अन्य क्षमताएं शामिल होंगी, जो इसे दुनिया भर में संचालित होने वाले सर्वश्रेष्ठ और सबसे सक्षम राफेल बनाती हैं। राफेल लड़ाकू विमान तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में दुश्मन के वायु-रक्षा तंत्र को हराने और लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम हैं। दो इंजन वाले राफेल जेट कई तरह के मिशनों को अंजाम देने में सक्षम हैं, जैसे कि जमीन और समुद्री हमले, वायु रक्षा और वायु श्रेष्ठता, टोही और परमाणु हमले की रोकथाम।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा आज देंगे बूथ से लेकर चुनाव प्रबंधन तक का मंत्र

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव को भाजपा के बड़े नेताओं ने अपना रुख अब यूपी की ओर किया है। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज गोरखपुर में और कल कानपुर में बुंदेलखंड समेत 17 जिलों के पदाधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। भाजपा के मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी 22 नवम्बर से दो दिवसीय यूपी के प्रवास पर रहेंगे। नड्डा गोरखपुर व कानपुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों को सम्बोधित करेंगे तथा कानपुर में क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही 7 जिला कार्यालयों का भी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि नड्डा आज श्री गोरक्षनाथ मंदिर में जनकल्याण की मंगलकामना के साथ पूजा अर्चना करेंगे। दोपहर में चम्पादेवी पार्क, सर्किट हाउस के पास, गोरखपुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। इसके बाद गोरखपुर एयरपोर्ट के निकट वनटंगिया परिवारों के साथ संवाद करेंगे। नड्डा शाम को पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि 23 नवम्बर को नड्डा कानपुर में होंगे। यहां किदवई नगर कानपुर में बाबा नामदेव गुरूद्वारा में मत्था टेकेंगे। इसके पश्चात जूही साकेतनगर कानपुर में कानपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करने के साथ ही 7 जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दोपहर 2 बजे रेलवे मैदान, निरालानगर कानपुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। गोरखपुर के वह चंपा देवी पार्क में आयोजित बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों का चुनावी दृष्टि से मार्गदर्शन करेंगे। सम्मेलन में गोरखपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल के 10 जिलों के 27 हजार 637 बूथ अध्यक्ष हिस्सा लेंगे। ज्ञात हो कि यह सम्मेलन पार्टी की बूथ जीता तो चुनाव जीता रणनीति के तहत अयोजित किया जा रहा है, जिसका लाभ पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा को मिलता रहा है।

कोविड का जोखिम कम, अब अधिक लोग शादी समारोहों में शामिल होने को तैयार : सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी):

इस साल नवंबर और दिसंबर माह के दौरान शादी-विवाह या सगाई समारोहों में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। लोकलसर्किल्स के सोमवार को जारी एक सर्वे में कहा गया है कि अब ऐसे लोगों की संख्या कम रह गई है, जो ऐसे समारोहों में शामिल होने से कोविड-19 संक्रमण का खतरा बढ़ने की बात मानते हैं। इस सर्वे में 17,000 से अधिक लोगों की प्रतिक्रिया ली गई। सर्वे के निष्कर्ष के अनुसार, नवंबर-दिसंबर की अवधि में 10 में से प्रत्येक छह भारतीय परिवारों के सगाई और शादियों में शामिल होने की संभावना है। इस अवधि में शादी या सगाई समारोहों में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में तीन गुना की वृद्धि हुई है। सर्वे में कहा गया है कि इसकी मुख्य वजह देश में कोविड के घटते मामलों के साथ टीकाकरण की तीव्र गति भी है, जिसके चलते लोगों का भरोसा लौटा है। वर्ष 2020 में जब लोगों से इसी तरह का सवाल किया गया था, तो 35 प्रतिशत ने कहा था कि उन्हें शादी और सगाई समारोहों में भाग लेने का न्योता मिला है, लेकिन वे उसमें नहीं जा रहे हैं। इस बार ऐसा कहने वालों की संख्या घटकर मात्र 12 प्रतिशत रह गई। इस तरह के आयोजनों में शामिल होने पर कोविड-19 के जोखिम संबंधी एक सवाल पर समारोहों में शामिल होने की योजना बना रहे 76 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कोविड के प्रसार का जोखिम औसत, कम या न के बराबर है। तीन प्रतिशत ने कहा कि इस तरह का कोई जोखिम नहीं है। वही दो प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी।

टीएमसी का गृह मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन और धरना

दिल्ली (एजेंसी)।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने यूथ विंग की प्रमुख सायोनी घोष की गिरफ्तारी के खिलाफ सोमवार को भी मंत्रालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। गृह मंत्रालय के बाहर टीएमसी के 15 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने त्रिपुरा में टीएमसी यूथ विंग की प्रमुख सायोनी घोष को गिरफ्तार किये जाने के विरोध में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन किया और गृह मंत्रालय के बाहर अब धरने पर बैठे हैं। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के अनुसार जब तक की गृहमंत्री हमारे सीएमसी सांसदों को मिलने का समय नहीं देते सभी सांसद दिल्ली में धरने पर बैठेंगे।टीएमसी के अनुसार ये धरना त्रिपुरा में कथित तौर पर पुलिस की बर्बरता को लेकर है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा है कि त्रिपुरा में टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर क्रूर हमले किए जा रहे हैं। झूठे आरोप में गिरफ्तारियां हो रही हैं। इसलिए हम गृहमंत्री से मिल कर अपनी बात रखना चाहते हैं। वहीं टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा है, तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं, इसलिए हम भी मंत्रालय के बाद धरने पर बैठे हैं। प्रदर्शन में शामिल हुईं डोला सेन से कहा, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है कि सभी दलों को पोलिटिकल हक है, हम एक क्षेत्रीय दल हैं, हम अगरतला नगर निगम चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन अब हम देख रहे हैं कि टीएमसी का कोई भी सांसद त्रिपुरा में जाता है उसको बुरी तरह मारा-पीटा जा रहा है। हमारे सांसदों को गृह मंत्री की तरफ से मिलने का समय भी नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि टीएमसी और बीजेपी के बीच अगरतला नगर निगम और 12 अन्य नगर निकायों में आगामी चुनाव को लेकर तनाव बढ़ रहा है। ये चुनाव 25 नवंबर को होगा। राज्य में टीएमसी ने बीजेपी को घेरने के लिए दिल्ली में धरना देने और विरोध प्रदर्शन करने की ये रणनीति बनाई है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद त्रिपुरा और गोवा में भी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। फिलहाल इन दोनों ही राज्यों में बीजेपी की सरकार है। टीएमसी के कई बड़े नेता और सांसद त्रिपुरा और गोवा में पिछले कई महीनों से पार्टी के प्रचार में जुटे हुए हैं।

कृषि कानूनों को निरस्त करना एक साहसिक कदम

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अनोखे अंदाज में 19 नवंबर को गुरुपर्व के दिन भारतीय नागरिकों को यह घोषणा करते हुए चौंका दिया कि जिन कृषि कानूनों के खिलाफ कुछ वर्ग आंदोलन कर रहे हैं, उन्हें वापस ले लिया जाएगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने हमेशा अन्य सभी विचारों से ऊपर देश की एकता और अखंडता को रखा है और शायद इसलिए निहित स्वार्थों, विशेष रूप से पाकिस्तान प्रायोजित और वित्त पोषित तत्वों को भारतीय समाज में (विशेष रूप से सिखों के बीच) विभाजन और अस्थिरता पैदा करने से रोकना भी कृषि कानूनों को वापस लेने का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शालीनता से स्वीकार किया है कि शायद उनकी सरकार के कृषि कानूनों के लाभों को समझाने के प्रयासों में कमियां रह गईं, जो किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए मुक्त करने को लेकर लागू किए गए थे। हालांकि इन कानूनों का कुछ वर्गों की ओर से विरोध किया गया। कृषि कानून, जिसका इरादा सबसे गरीब और सबसे कमजोर छोटे किसानों को लाभ पहुंचाना था, जो कि कृषि आबादी का विशाल बहुमत है, को पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों के कुछ बड़े समूहों के गंभीर विरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रधानमंत्री ने अब घोषणा की है कि वह इस तरह के विरोध की स्थिति में कानूनों के साथ आगे नहीं बढ़ेंगे और एक आम सहमति बनाने की दिशा में काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने गुरु नानक गुरुपर्व के अवसर को घोषणा करने के लिए चुना, शायद यह कोई संयोग नहीं है, क्योंकि वह जमीनी स्तर के राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से लेकर गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीन बार के कार्यकाल तक सिख समुदाय के बीच लंबे समय से एक चैंपियन रहे हैं और उन्होंने समुदाय के प्रति इसी प्रकार की करुणा को प्रदर्शित करना जारी रखा है।राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता जैसे क्षेत्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष ध्यान के साथ, यह अचानक निर्णय के लिए किसी भी चीज से अधिक जिम्मेदारी वाली चीज भी दिखती है। पंजाब और उत्तर प्रदेश राज्यों में आगामी चुनावों के कारण इस कदम को चुनावी रणनीति के एक हिस्से के तौर पर भी देखा जा रहा है। चुनावी उलटफेर न तो स्थायी है और न ही सर्व-महत्वपूर्ण, लेकिन राष्ट्र की अखंडता अधिक महत्वपूर्ण है। पंजाब, जो अतीत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी आंदोलन से पीड़ित रहा है, वहां किसी भी परिस्थिति में एक बार फिर ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की अनुमति नहीं दी जा सकती थी। ऐसे समय में जब देश को सभी मोचेर्ं पर शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों से सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा है, कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक, पंजाब को छोटे राजनीतिक लाभ के लिए बलिदान नहीं किया जा सकता है। यह कहा जा सकता है कि भारतीय प्रधानमंत्री में अपनी सरकार की छवि को एक कठिन सरकार के रूप में एक झटका स्वीकार करने का साहस था, जो देश के बड़े हित में सोचते हुए लिया गया फैसला है।

राजस्थान कैबिनेट विस्तार के बाद विभागों का बंटवारा एक नई चुनौती

जयपुर।

राजस्थान में शपथ ग्रहण समारोह के एक दिन बाद, कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री पोर्टफोलियो वितरण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से आलाकमान की टीम इसमें प्रमुख भूमिका निभा रही है।सूत्रों ने कहा कि विभागों के बंटवारे को लेकर नए राजनीतिक समीकरण तैयार किए जा रहे हैं, जबकि ज्यादातर पुराने मंत्रियों के विभागों में बदलाव होना तय है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने आईएएनएस को बताया कि आलाकमान कैबिनेट में नए चेहरों को चुनने से लेकर उनके विभागों तक सभी विकास की निगरानी कर रहा है, इसलिए देरी हो रही है। इस बीच, सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वित्त, एसीबी और आईटी सहित सभी बड़े विभागों को अपने पास रखेंगे या अन्य मंत्रियों को उनमें से कुछ मिलेंगे। सचिन पायलट खेमे से हेमाराम चौधरी, जिन्होंने इस साल मई में राज्य सरकार पर उनके निर्वाचन क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था, उन्हें राजस्व मंत्री बनाया जा सकता है। वह पहले भी इस विभाग को संभाल चुके हैं। इसके अलावा, दलित और एसटी मंत्रियों को पहले की तरह मजबूत विभाग मिलने की संभावना है, क्योंकि विधानसभा में मुद्दों को

उठाया गया था जिसमें राज्य सरकार पर एससी-एसटी और दलित मंत्रियों को कमजोर विभाग देने का आरोप लगाया गया था। इस बीच, पीसीसी प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे, जहां वह महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला और पवन बंसल से संगठनात्मक विस्तार पर चर्चा करेंगे।

मुंबई दिल्ली के बीच अब सफर होगा आसान, 26 नवंबर से शुरू होगी सुपर फास्ट युवा साप्ताहिक एक्सप्रेस

मुंबई। मुंबई से दिल्ली आने जाने वाले रेल यात्रियों के लिये खुशखबरी है. रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलवे ने 12247/12248 बांद्रा टर्मिनस-हज़रत निज़ामुद्दीन-बान्द्रा टर्मिनस सुपर फास्ट युवा साप्ताहिक एक्सप्रेस पूर्णतः आरक्षित रेलगाड़ी की सेवा को बहाल करने का निर्णय लिया है. बता दें इस ट्रेन में टिकट आरक्षित होने पर ही सफर किया जा सकेगा. रेलगाड़ी संख्या 12247 बांद्रा टर्मिनस-हज़रत निज़ामुद्दीन सुपर फास्ट युवा साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 26.11.2021 से प्रत्येक शुक्रवार को बान्द्रा टर्मिनस से शाम 05.30 बजे (शाम साढ़े पांच बजे) प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 10.15 बजे (सवा दस बजे) हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन पर पहुँचेगी. वापसी दिशा में रेलगाड़ी संख्या 12248 हज़रत निज़ामुद्दीन-बान्द्रा टर्मिनस सुपर फास्ट युवा साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 27.11.2021 से प्रत्येक शनिवार को हज़रत निजामुद्दीन स्टेशन से शाम 04.30 बजे (साढ़े चार बजे) खुलेगी और अगले दिन सुबह 09.15 बजे बान्द्रा टर्मिनस पर पहुँचेगी. ट्रेन संख्या 12247/12248 बांद्रा टर्मिनस-हज़रत निज़ामुद्दीन-बांद्रा टर्मिनस सुपर फास्ट युवा एक्सप्रेस रेलगाड़ी मार्ग में सूरत, बडोदरा, रतलाम, कोटा, और मथुरा जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी.

नवी मुंबई एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट के लिए दिसंबर 2024 की डेडलाइन तय की गई

मुंबई। पिछले कई सालों से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को डेडलाइन दे रही सिडको अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। सिडको ने आखिरकार हवाई अड्डे के लिए एक समय सीमा तय कर दी है और तीन साल बाद नवी मुंबईकर विमान को उड़ान भरते हुए देख पाएंगे। पहला विमान दिसंबर 2024 में उड़ान भरेगा। सिडको के एम.डी. संजय मुखर्जी ने ट्विटर पर एयरपोर्ट डिजाइन की तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने 2024 में पहली उड़ान की घोषणा की है। करीब 24,000 करोड़ रुपये की लागत से नवी मुंबई और पनवेल के बीच एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। सालाना करीब 60 लाख यात्री इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का इस्तेमाल करेंगे। जेएनपीटी पोर्ट एयरपोर्ट से थोड़ी दूरी पर होने से एयरपोर्ट को काफी फायदा होगा। इसमें से 1 लाख 50 हजार मीट्रिक टन कार्गो हर साल विदेश जाएगा। हवाई अड्डे से 1 लाख प्रत्यक्ष और 2.5 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे।

उत्तराखंड में भाजपा ने घर-घर जाकर शुरू किया प्रचार अभियान

नई दिल्ली।

उत्तराखंड में चुनावी रणनीति के तहत एक लाख से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर राज्य में पार्टी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को उजागर करने का काम सौंपा गया है। हर घर बीजेपी, घर घर बीजेपी कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यकर्ता राज्य के 11,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर हर दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, कार्यकर्ता समूह घर-घर जा रहे हैं और मतदाताओं को राज्य सरकार के कार्यों के बारे में बता रहे हैं और उसी का उल्लेख करते हुए साहित्य सौंप रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा कार्यकर्ता जिस घर में जाते हैं उसके बाहर पार्टी का स्टीकर भी चिपकाते हैं। हमारे कार्यकर्ता भी घर के मालिक की सहमति से पार्टी के झंडे लगाते हैं। हमारे सरकारी कार्यों को सूचीबद्ध करने वाला दीवार लेखन अभियान भी पूरे राज्य में चल रहा है। पार्टी के एक अन्य नेता ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा में मिशन 60 प्लस हासिल करने के लिए भाजपा को राज्य भर के लोगों तक पहुंचने की जरूरत है। जागेश्वर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता गौरव पांडेय ने कहा, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसदों, विधायकों सहित भाजपा कार्यकर्ता उत्तराखंड में दूसरी बार सरकार बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। कार्यकर्ता दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों से भी मिल रहे हैं। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी-मार्च में उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर और गोवा के साथ होंगे। चुनावों के लिए, भाजपा की राज्य इकाई ने अपने

संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कई अभियान शुरू किए हैं जैसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर 21 सदस्यीय समिति का गठन और उनका सत्यापन शामिल है। प्रदेश पार्टी उपाध्यक्ष देवेंद्र भसीन ने आईएएनएस को बताया कि सभी मतदान केंद्रों का गठन और सत्यापन का काम पूरा कर लिया गया है।

झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस बोले- विधायक ऐसा आचरण न करें जिससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचे

रांची।

झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने कहा है कि विधानसभा के सदस्यों को हमेशा सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। उन्हें ऐसा कोई आचरण नहीं करना चाहिए जिससे सदन की मर्यादा को ठेस पहुंचे। यह देखा जा रहा है कि छोटी-छोटी बातों को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित करने, स्थगित करने की परंपरा बनती जा रही है। सदन में विधायक पीठासीन पदाधिकारी के सामने चिल्लाने लगते हैं। सदन में वाद-विवाद उच्च स्तर का हो, उसमें गंभीरता हो और सदन का संचालन सुचारू रूप से हो, इसका भी ध्यान रखने की जरूरत है। राज्यपाल सोमवार को झारखण्ड विधानसभा की 21वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह के दौरान राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने देश की सीमा पर शहीद झारखंड के वीर सपूतों एवं नक्सल अभियान में शहीद हुए पुलिसकर्मियों को मरणोपरांत सम्मानित किया। विश्रामपुर क्षेत्र के विधायक रामचन्द्र चंद्रवंशी को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक का सम्मान प्रदान किया गया। इनके अलावा तीरंदाज कोमोलिका बारी, अंकिता भगत और क्रिकेट खिलाड़ी इंद्राणी

राय, कोरोना टीकाकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त सूरज कुमार, रांची के उपायुक्त छवि रंजन और रामगढ़ उपायुक्त श्रीमती माधवी मिश्रा, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित झारखंड के शिक्षकों और विधानसभा के चार कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के निर्माण में सभी की छोटी-बड़ी भूमिका होती है। हम सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के साथ राज्य को आगे बढ़ाने में भूमिका निभानी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि विधानसभा ऐसा आईना है, जहां राज्य भर का चेहरा दिखाई देता है।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान नीट को खत्म करने का मुद्दा उठाएगी द्रमुक

चेन्नई।

संसद के शीतकालीन सत्र में डीएमके नीट परीक्षा को खत्म करने का मुद्दा उठाएगी। वह जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रही है कि परीक्षा में ग्रामीण पृष्ठभूमि के उज्े जवल छात्रों को छोड़ दिया जाता है। इस बात पर जोर दिया गया है कि जिन लोगों को उचित प्रवेश कोचिंग कक्षाएं मिलती हैं, वे परीक्षा से लाभान्वित हो रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को डीएमके सांसदों की एक बैठक की अध्यक्षता की और लोकसभा और राज्यसभा में नीट के मुद्दे को उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। द्रमुक के एक वरिष्ठ सांसद ने आईएएनएस को बताया, मुख्यमंत्री ने हम सभी को निर्देश दिया है कि एनईईटी पर तैयार होने के लिए

तथ्यों और आंकड़ों के साथ तैयार रहें और संसद में बोलने के लिए जो भी कम समय मिले, उस मुद्दे को उठाएं। कानून, हम उम्मीद कर रहे हैं कि नीट के खिलाफ एक अनुकूल निर्णय होगा। द्रमुक भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। इसलिए संसद में नीट का मुद्दा उठाने वाले इसके सांसदों को सरकार आसानी से नजरअंदाज नहीं कर सकती है। रविवार को पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक की कार्यवाही की जानकारी रखने वाले द्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले किसानों को याद करते हुए एक मिनट का मौन रखकर बैठक शुरू हुई। बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें केंद्र से संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को पेश करने का आग्रह किया गया।

गृह मंत्रालय पर तृणमूल कांग्रेस सांसदों के धरने की आलोचना

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हत्या करने वाली टीएमसी त्रिपुरा में अशांति फैलाना चाहती है - लॉकेट चटर्जी

नई दिल्ली।

गृह मंत्रालय पर तृणमूल कांग्रेस सांसदों के धरने की आलोचना करते हुए पश्चिम बंगाल से भाजपा की लोकसभा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हत्या करने वाली टीएमसी त्रिपुरा में लोकतंत्र की बात कर रही है। बातचीत करते हुए पश्चिम बंगाल भाजपा की वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के हुगली से लोकसभा सांसद लॉकेट चटर्जी ने ममता सरकार पर पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हत्या करने और चुनाव के बाद जमकर हिंसा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी पश्चिम बंगाल में जमकर चुनाव के बाद हिंसा कर रही है, जिसमें भाजपा के 60 से ज्यादा कार्यकर्ता मारे गए और अब ये गुंडों को त्रिपुरा ले जाकर राज्य में अशांति फैलाना चाहती है। आईएएनएस से बातचीत के दौरान टीएमसी नेताओं की आलोचना करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि त्रिपुरा एक शांत प्रदेश है जहां टीएमसी का कोई जनाधार नहीं है, इसलिए वो वहां जाकर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी नेता की गिरफ्तारी पर जवाब देते हुए लॉकेट चटर्जी ने कहा कि इनके नेता त्रिपुरा में जाकर अशांति फैला रहे हैं, मुख्यमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उकसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं तो कानून के मुताबिक कार्यवाही तो होगी ही। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के त्रिपुरा में हेलीकॉप्टर नही उतरने देने के आरोप पर भाजपा लोकसभा सांसद ने कहा कि क्यों उतरने दे, उन्होंने तो भी पश्चिम बंगाल में अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर को नहीं उतरने दिया था। भाजपा सांसद ने अभिषेक बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो पश्चिम बंगाल से गुंडों को त्रिपुरा ले जाकर अशांति फैलाना चाहते हैं। इसलिए उन्हें उतरने नहीं देने का फैसला कर राज्य सरकार ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। आपको बता दें कि टीएमसी यूथ विंग की नेता सयानी घोष की त्रिपुरा में गिरफ्तारी के विरोध में तृणमूल कांग्रेस सांसद नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। टीएमसी त्रिपुरा सरकार के रवैये के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर शिकायत करना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में बारिश से तबाही : 24 लोगों की मौत, 5 लाख हेक्टेयर फसल नष्ट

बेंगलुरु।

कर्नाटक में सितंबर से अब तक भारी बारिश से संबंधित त्रासदियों के कारण 24 लोगों की जान चली गई। बारिश से राज्य में पांच लाख हेक्टेयर कृषि फसलों को भी नुकसान हुआ है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता में उनके गृह कार्यालय कृष्णा में रविवार शाम हुई बैठक से ये कुछ महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए। सूत्रों के अनुसार, नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 658 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और 8,495 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। इससे 191 पशुओं की मौत भी हुई है। लगभग 5 लाख हेक्टेयर कृषि फसल नष्ट हो गई है और बागवानी फसल के नुकसान का आकलन 30,114 हेक्टेयर में किया गया है। राज्य में लगातार हो रही बारिश से 2,203 किलोमीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। 165 पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि विभिन्न जिलों में 1,225 स्कूल भवन, 39 सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भवन भी बारिश से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,674 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए और 278 ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, तुमकुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, रामनगर, हासन जिलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) के तहत जिलों में जिला आयुक्तों के पास 689 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने जरूरत पड़ने पर और धनराशि आवंटित करने का आश्वासन दिया है। सभी स्तरों पर कृषि विभाग के अधिकारियों को फसल नुकसान का सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। अगस्त और सितंबर में लगातार बारिश के कारण 3.43 लाख हेक्टेयर में फसल प्रभावित हुई थी, जिससे 1.5 लाख किसान प्रभावित हुए और उनके लिए 130 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। 79,000 किसानों का मुआवजा लंबित है और मुख्यमंत्री बोम्मई ने उनके देय मुआवजे को मंजूरी देने के लिए 79 करोड़ रुपये जारी करने के निर्देश दिए हैं। मकान खोने वालों के लिए राहत की पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपये तत्काल जारी करने की कार्रवाई की गई है। बीमा कंपनियों द्वारा फसल हानि बीमा राशि के शीघ्र वितरण के लिए अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बारिश के तुरंत बाद सड़क मरम्मत कार्य शुरू करने के आदेश दिए गए। सिंचाई टंकियों की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर करने का भी सुझाव दिया गया। सरकार ने गड्ढों को भरने के लिए बीबीएमपी सीमा में प्रत्येक क्षेत्र के लिए 25 लाख रुपये जारी करने का भी निर्णय लिया है। बीबीएमपी सीमा में नुकसान की वार्डवार रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा बल की टीमें बचाव और राहत कार्य में जुट गई हैं। बैठक में जरूरत पड़ने पर अधिकारियों को अपनी ताकत बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

गंगा किनारे घाट निर्माण, रख-रखाव पर 730 करोड़ रुपये हुए खर्च : आरटीआई

नई दिल्ली।

केंद्र ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की है, जिसमें से एनएमसीजी ने 2014 से घाटों के निर्माण और उनके रखरखाव पर 730 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) से सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत एक सवाल के जवाब में कहा गया है कि स्वच्छ गंगा कोष से सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) पर कोई पैसा खर्च नहीं किया गया है। उत्तर में कहा गया है कि एनएमसीजी को जारी किए गए 10,942.02 रुपये में से 10,649.40 रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें से स्वच्छ गंगा कोष की सीटू बायो-रेमेडिएशन (जल निकासी के उपचार) में खर्च की गई राशि 161,91,909 रुपये है, घाट निर्माण और रखरखाव पर एनएमसीजी द्वारा 731.31 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और 2014 से सितंबर 2021 तक मीडिया और सार्वजनिक पहुंच पर 107.59 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षणवादी और संस्थापक सदस्य, सोशल एक्शन फॉर फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट विक्रांत तोंगड, जिन्होंने आरटीआई के तहत सवाल दायर किया था, ने कहा, स्वच्छ गंगा फंड को नदी की वास्तविक सफाई पर खर्च किया जाना चाहिए, न कि परिधीय गतिविधियों पर। घाट लोगों के लिए आध्यात्मिक संबंध और बेहतर रिवरफ्रंट प्रबंधन के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, उन्हें अन्य स्रोतों से वित्त पोषित किया जा सकता है। कार्यकर्ता ने इस तथ्य की ओर भी इशारा किया कि अधिक घाट अधिक लोगों को नदी के मोर्चे पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और चेतावनी दी कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मद्देनजर घाट का रखरखाव महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे अधिक लोगों को साबुन और डिटर्जेंट का उपयोग करने से हतोत्साहित करने की आवश्यकता है जब वे नहाने जाते हैं। आरटीआई के जवाब में कहा गया, 2014 से आज तक एसटीपी निर्माण और रखरखाव पर स्वच्छ गंगा फंड से कोई फंड जारी नहीं किया गया। हालांकि, मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सभी बुनियादी ढांचे के विकास, विशेष रूप से एसटीपी जैसे बड़े टिकट खर्च बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) शीर्ष के तहत किए जा रहे हैं। स्वच्छ गंगा फंड का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 31 अक्टूबर तक उसने सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए स्वीकृत 24,249.48 करोड़ रुपये के मुकाबले 9,172.57 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 157 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है, जिनमें से 70 पूरी हो चुकी हैं।

सोवियत संघ की राह पर चीनः हांगकांग में लागू हुआ नया कानून, निजी स्कूलों में फहराया जाएगा चीनी झंडा, गाया जाएगा राष्ट्रगान

नई दिल्ली। हांगकांग पर अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए चीन ने अब नई चाल चली है। अब हांगकाग के निजी स्कूलों के लिए नया कानून पारित किया गया है। इस कानून के तहत निजी स्कूलों को चीन का झंडा फहराना और चीन का राष्ट्रगान गाना अनिवार्य होगा। अमेरिका के वॉयस ऑफ अमेरिका ने एक सरकारी अधिकारी के हवाले से लिखा कि इस नए कानून का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा को बढ़ावा देना और छात्रों में राष्ट्रीय भावना को विकसित करना है। इस बयान में कहा गया है कि राष्ट्रगान से

जुड़े नियम के जरिए छात्रों में चीनी लोगों के प्रति लगाव और राष्ट्र भावना को बढ़ाया जाएगा। वहीं विशेषज्ञों ने इस कानून को हांगकांग के लिए खतरनाक बताया है।

क्या है नया कानून

नए कानून के तहत सभी किंडरगार्डन, प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों को आदेश दिया गया है कि प्रत्येक दिन स्कूलों को चीन का राष्ट्रीय ध्वज फहराना होगा और सप्ताह में कम से कम एक बार चीन का राष्ट्रगान गाना होगा। कानून के तहत कहा गया है कि ऐसा न करने या राष्ट्रगान का अपमान करने को अपराध की श्रेणी में रखा जाएगा।

विरोध की आवाज दबा रहा चीन

विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी अत्याचारों के खिलाफ हांगकांग में उठती आवाजों को दबाने के लिए चीन ने यह तरीका निकाला है। चीन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ जैसा कर रहा है। सोवियत संघ ने जिन देशों पर कब्जा किया था, वहां के युवाओं व बच्चों को अपना राष्ट्रगान अपनाने के लिए मजबूर कर दिया था। वहीं दूसरी तरफ हांगकांग के शिक्षक और छात्र इस नए कानून का विरोध कर हैं।

चीनी व्यवसायों का प्राथमिकता के आधार पर समर्थन करेगी पाकिस्तान सरकारः इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनकी सरकार प्राथमिकता के आधार पर देश में चीनी व्यवसायों का समर्थन करेगी। उन्होंने अधिकारियों को सड़क संपर्क से संबंधित मुद्दों और चीन के निवेशकों के सामने आ रही दिक्कतों को तुरंत हल करने का निर्देश दिया।खान ने चैलेंज फैशन (प्राइवेट) लिमिटेड के चेन यान के नेतृत्व में एक चीनी व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

सरकार द्वारा संचालित एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) ने प्रधानमंत्री खान के हवाले से कहा, ÷हम प्राथमिकता के आधार पर पाकिस्तान में चीनी व्यवसायों का समर्थन करेंगे और विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश में तेजी लाने में उनकी गहरी रुचि के लिए उनके आभारी हैं।' खान को सूचित किया गया कि चीनी व्यवसायी ग्लास, सिरेमिक और आईटी क्षेत्रों में परिचालन शुरू करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा प्रमुख चीनी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल कंपनी 'ओप्पो' पाकिस्तान में एक मोबाइल सेट निर्माण इकाई तथा एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने जा रही है।पाकिस्तान में मोबाइल सेट बनाने के 'ओप्पो' के फैसले से देश को स्मार्टफोन के आयात पर खर्च होने वाला बहुत सारा विदेशी मुद्रा भंडार बचाने तथा तकनीकी स्नातकों के लिए रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी। बैठक में ऊर्जा मंत्री मोहम्मद हम्माद अजहर, वाणिज्य सलाहकार अब्दुल रजाक दाऊद, पाकिस्तान में चीनी राजदूत नोंग रोंग और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

ऑस्ट्रेलियाः भारतीय छात्रों के लिए खुशखबरी, एक दिसंबर से कर सकेंगे यात्रा, प्रतिबंधों में ढील की घोषणा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को कोरोना महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों में अगले महीने से ढील देने की घोषणा की। इस फैसले से हजारों भारतीय छात्रों को ऑस्ट्रेलिया लौटने में मदद मिलने की उम्मीद है।

कौन लोग जा सकते हैं?

ऑस्ट्रेलिया सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि एक दिसंबर से, छात्रों और कुशल श्रमिकों सहित पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके योग्य वीजा धारक, यात्रा छूट के लिए आवेदन करने की आवश्यकता के बिना ऑस्ट्रेलिया आ सकते हैं।

निगेटिव रिपोर्ट देनी होगी

इसमें कहा गया है कि आगंतुक को ऑस्ट्रेलिया के चिकित्सीय सामान प्रशासन (टीजीए) से अनुमोदित या मान्यता प्राप्त टीके की सभी खुराक के साथ पूर्ण टीकाकरण कराना होगा और पात्र वीजा उपवर्गों में से एक के लिए वैध वीजा होना चाहिए। यात्रियों को अपने टीकाकरण की स्थिति का प्रमाण भी देना होगा और ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रस्थान करने से पहले तीन दिनों के भीतर कराई गई कोरोना 'पोलीमरेज चेन रिएक्शन' (पीसीआर) जांच की निगेटिव रिपोर्ट देनी होगी।

तालिबानी फरमानः अब बंद कराए महिला एक्ट्रेस वाले टीवी सीरियल, एंकरिंग के समय हिजाब पहनना हुआ अनिवार्य

काबुल। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने महिलाओं को काम की आजादी देने की बात की थी लेकिन अब एक बार फिर जिस तरह से धार्मिक दिशानिर्देश जारी किए जा रहे हैं उससे लग रहा है कि संगठन ने अपनी पुरानी परंपरा को बरकरार रखा है। दरअसल, तालिबान प्रशासन ने रविवार को नए 'इस्लामिक धार्मिक दिशानिर्देश' जारी किए हैं, जिसके मुताबिक देश में टेलीविजन चैनलों पर सीरियल या डेली सोप में महिला एक्ट्रेस नहीं दिखाई जा सकती हैं। इतना ही नहीं तालिबान ने महिला एक्ट्रेस के साथ बने सारे पुराने सीरियल के प्रसारण को भी बंद करने के आदेश दिए हैं। तालिबानी फरमान में यह भी कहा गया है कि महिला टीवी जर्नलिस्ट एंकरिंग करते समय हिजाब पहनें।मंत्रालय ने चैनलों से उन फिल्मों या कार्यक्रमों को भी प्रसारित नहीं करने के लिए कहा जिनमें पैगंबर मोहम्मद या अन्य सम्मानित व्यक्ति दिखाए जाते हों। तालिबानी मंत्रालय ने उन फिल्मों या कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया जो इस्लामी और अफगान मूल्यों के खिलाफ हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता हकीफ मोहजिर ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि ये नियम नहीं बल्कि धार्मिक दिशानिर्देश हैं। नए दिशानिर्देश रविवार देर रात सोशल मीडिया नेटवर्क पर व्यापक रूप से प्रसारित किए गए। बता दें कि तालिबान ने पहले ही नियम लागू कर दिए हैं कि महिलाएं विश्वविद्यालय में क्या पहन सकती हैं और क्या नहीं।

पाकिस्तान में तीन कोयला खदान कर्मियों की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत स्थित एक कोयला खदान के पास अज्ञात हथियारबंद व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसमें तीन खनिकों की मौत हो गई। सरकारी प्रवक्ता ने कहा, ''हथियारबंद लोगों ने हरनाई जिले में शराग के सुदूर क्षेत्र स्थित एक कोयला खदान के पास तीन श्रमिकों पर गोलियां चलाईं और फिर पहाड़ी क्षेत्र में भाग गए।

शवों को पहचान और अन्य औपचारिकताओं के लिए क्वेटा लाया जा रहा है।' बलूचिस्तान कोल माइन्स वर्कर्स फेडरेशन के एक अधिकारी ने कहा कि तीनों खदान कर्मी प्रांत के निवासी नहीं थे। इस घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया।

अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस साल जनवरी में, सुदूर माछ कोल फील्ड से 11 कोयला खनिकों का अपहरण कर लिया गया था और उन्हें मार दिया गया था। इस घटना की व्यापक निंदा हुई थी।

अफगानिस्तान के जलालाबाद में 20 साल में पहली नागरिक उड़ान का संचालन

काबुल। अफगानिस्तान में नांगरहार प्रांत के जलालाबाद में 20 वर्षों में पहली नागरिक उड़ान का संचालन हुआ है। गवर्नर कार्यालय ने यह जानकारी दी। प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि जलालाबाद में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए सभी तकनीकी और सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पिछले 20 साल में पहला विमान ईरान से मानवीय सहायता के साथ यहां उतरा है।

इससे पहले सोमवार को अफगानिस्तान के लिए ईरानी विशेष प्रतिनिधि तालिबान द्वारा नियुक्त अंतरिम अफगान सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करने के लिए काबुल पहुंचे। दोनों पक्षों ने मानवीय सहायता सहित कई मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई।

दक्षिण पूर्व एशिया पर प्रभुत्व नहीं चाहता चीनः शी जिनपिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दक्षिण चीन सागर को लेकर चल रहे टकराव के बीच कहा है कि उनका देश दक्षिण पूर्व एशिया पर प्रभुत्व हासिल नहीं करेगा और न ही अपने छोटे पड़ोसियों के साथ दबंगई करेगा। शी ने सोमवार को 'दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ' (आसियान) के 10 सदस्यों के साथ एक ऑनलाइन सम्मेलन के दौरान यह टिप्पणी की। यह सम्मेलन दोनों पक्षों के बीच संबंधों की 30वीं वर्षगांठ मनाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

दो राजनयिकों ने बताया कि सोमवार की बैठक में आसियान सदस्य म्यांमार की तरफ से प्रतिनिधित्व नहीं हुआ क्योंकि सेना की तरफ से थोपी वहां की सरकार ने आसियान के दूत को अपदस्थ नेता आंग सान सू ची और अन्य गिरफ्तार राजनेताओं से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। सैन्य शासक

जनरल मिन आंग हलिंग को भी पिछले आसियान शिखर सम्मेलन में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था। चीन ने अपनी बढ़ती शक्ति और प्रभाव के बारे में चिंताओं को दूर करने की बार-बार कोशिश की है, विशेष रूप से पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपने दावे को लेकर, जिसपर आसियान के सदस्य मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और फिलीपीन भी दावा करते हैं।

चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के मुताबिक शी ने कहा, 'चीन प्रभुत्ववाद और सत्ता की राजनीति का दृढ़ता से विरोध करता है, अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है और संयुक्त रूप से इस क्षेत्र में स्थायी शांति बनाए रखना चाहता है और निश्चित तौर पर वर्चस्व नहीं जमाएगा या छोटे देशों पर दबंगई नहीं करेगा।' शी ने यह टिप्पणी चीनी तट रक्षक पोतों द्वारा विवादित दक्षिण चीन सागर तट पर सैनिकों को आपूर्ति करने वाली दो फिलीपीनी नौकाओं को अवरुद्ध करने और उनपर पानी की तेज बौछार करने के कुछ दिनों बाद की है। फिलीपीन के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने सम्मेलन में अपनी टिप्पणी में इस घटना पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में दुतेर्ते ने कहा, 'हम आयुंगिन (फिलीपीनी भाषा में तट का नाम) में हाल की घटना की निंदा करते हैं और इसी तरह के अन्य घटनाक्रम को गंभीर चिंता के साथ देखते हैं। यह हमारे राष्ट्रों और हमारी साझेदारी के बीच संबंधों के बारे में अच्छे संकेत नहीं देता है। दुतेर्ते ने चीन से समुद्र के कानून पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का सम्मान करने का भी आह्वान किया, जो समुद्री क्षेत्रों पर समुद्री अधिकारों और संप्रभु अधिकारों को स्थापित करता है।

राजनाथ सिंह की चेतावनी पर पाक को लगी मिर्ची, बोला-किसी भी आक्रमण से अपना बचाव करने में हम सक्षम

इस्लामाबाद। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कुछ दिन पहले चेतावनी दी थी कि अगर पड़ोसी देश बाज नहीं आया तो नया भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। राजनाथ सिंह की इस चेतावनी से पाकिस्तान को मिर्ची लगी है। पाकिस्तान ने कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री के बयान को गैर-जिम्मेदार, भड़काऊ और अनावश्यक बताया है। पाकिस्तान ने कहा कि हम किसी भी तरह के आक्रमण से अपना बचाव करने में सक्षम हैं।

पाकिस्तान ने कहा कि भारतीय नेता हमेशा ही हमारे मुल्क पर उंगली उठाते आए हैं। सलाथ ही पाकिस्तान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अपने विभिन्न प्रस्तावों में कश्मीरियों से किए गए आत्मनिर्णय के अधिकार की मांग को खामोश कराने में भारतीय सरकार पूरी तरह से विफल रही है। बता दें कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भाषण देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था कि हमने पश्चिमी सीमा पर अपने पड़ोसी को साफ मैसेज दिया है कि अगर उसने सीमा लांघी तो हम ना केवल सीमाओं पर पलटवार करेंगे, बल्कि उसके क्षेत्र में भी घुस जाएंगे और सर्जिकल एवं हवाई हमले करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के 'समिट फ़ॉर डेमोक्रेसी' में भाग लेने के लिए पीएम मोदी को न्योता

वाशिंगटन। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' में भाग लेने की उम्मीद है, इस बात की पुष्टि करते हुए कि सरकार को 9-10 दिसंबर को आभासी प्रारूप में सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण मिला है। शिखर सम्मेलन में व्हाइट हाउस की घोषणा के अनुसार, पीएम मोदी की भागीदारी, आमंत्रित 100 से अधिक देशों के नेताओं के साथ, ÷देश और विदेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रतिबद्धताओं÷ को शामिल करने की उम्मीद है। ग्लासगो शिखर सम्मेलन में जलवायु

परिवर्तन 'लक्ष्यों' के नेताओं के बारे में बताया गया। जो बाइडेन जिन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान शिखर सम्मेलन का वादा किया था, यह भी चाहते हैं कि समूह अमेरिका के मुख्य प्रतिद्वंद्वियों चीन और रूस को एक संदेश भेजे, जो आमंत्रित नहीं हैं। हालांकि दोनों कम्युनिस्ट देश खुद को लोकतंत्र के रूप में संदर्भित करते हैं। शिखर सम्मेलन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पीएम मोदी के वार्षिक शिखर सम्मेलन और 6 दिसंबर को भारतीय और रूसी विदेश और रक्षा मंत्रियों की 2 + 2 बैठक के बाद होगा, जब दोनों देशों द्वारा कई द्विपक्षीय समझौतों की घोषणा करने की उम्मीद है।

अमेरिका में क्रिसमस परेड में शामिल लोगों को कुचलती हुई निकल गई एसयूवी

मिल्वौकी। मिल्वौकी के उपनगर वौकेशा में तेज रफ्तार से आ रही गाड़ी अवरोधक तोड़ कर क्रिसमस परेड में घुस गई। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा 40 से अधिक लोग घायल हो गए। वौकेशा के अधिकारियों ने रविवार देर रात एक वक्तव्य में पुष्टि की कि घटना में कुछ लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने कहा कि मरने वालों तथा घायलों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कुछ लोग स्वयं भी अस्पताल पहुंचे थे।

मरने वालों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस की हिरासत में है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जस्टिन बीबर से अपीलः हत्यारों के लिए मत गाओ, पत्रकार जमाल की मंगेतर ने लिखा खुला पत्र

वाशिंगटन। पांच दिसंबर को सउदी अरब के शहर जेद्दाह में अपनी प्रस्तुति से पहले जानेमाने गायब जस्टिन बीबर को खास तरह की अपीलों को सामना करना पड़ रहा है। उनसे कई लोग अपील कर रहे हैं कि वे सउदी अरब में अपनी प्रस्तुति को रद्द कर दें, अब इस अपील में एक नाम और जुड़ गया है। यह नाम है दिवंगत पत्रकार और सउदी अरब के आलोचक जमाल खशोगी की मंगेतर की। उन्होंने जस्टिन बीबर से अपील की है कि वह ऐसे लोगों के लिए न गाएं जो, अपने आलोचकों की हत्या कर देते हैं।

दरअसल, पत्रकार जमाल खशोगी को मौत के घाट उतार दिया गया था, उनकी हत्या का आरोप सउदी अरब पर है। ऐसे में उनकी मंगेतर हेटिस केंगिज ने बीबर से प्रस्तुति रद्द करने की

अपील की है।

लिखा खुला पत्र

हैटिस केंगिज के खुले पत्र को वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित किया गया है। इसमें लिखा है कि 'मैं जस्टिन बीबर से अपील करती हूं कि अपनी प्रस्तुति को रद्द करके दुनिया को एक शक्तिशाली संदेश दें कि आपके नाम और प्रतिभा का उपयोग ऐसे शासन की प्रतिष्ठा को बहान करने के लिए नहीं किया जाएगा, जो अपने आलोचकों की हत्या करता हो।' उन्होंने आगे लिखा कि आप जमाल के हत्यारों के लिए मत गाओ। कृपया मोहम्मद बिन सलमान की निंदा करें, क्योंकि आपकी आवाज लाखों लोगों के लिए सुनी जाएगी।

क्राउन प्रिंस पर लगाया था हत्या का आरोप

जमान खशोगी हत्या के बाद 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्देश पर एक खुफिया रिपोर्ट जारी की गई थी। इसमें पत्रकार खगोशी की हत्या का आरोप क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के ऊपर भी लगाया गया था। हालांकि, क्राउन प्रिंस इस आरोप को खारिज करते हैं।

पाकिस्तान : पूर्व पीएम शाहिद खाकान अब्बासी ने इमरान खान से मांगा इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने इमरान खान से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आम लोगों की पीड़ा से बेखबर है और प्रधानमंत्री को कार्यालय छोड़ देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पेशावर में एक सरकार विरोधी रैली में बोलते हुए, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-बी) के नेता अब्बासी ने कहा कि मौजूदा सरकार जनता की प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा 2018 के चुनावों की धांधली धीरे-धीरे सामने आ रही हैं, उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि गिलगित-बाल्टिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राणा शमीम ने पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार को चुनावी धांधली में शामिल होने का दोषी ठहराया था।

सरकार अब अगले चुनावों में भी धांधली करेगी, लेकिन ऐसी सरकार की तरफ से संसद में बने कानूनों से देश की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। पेशावर में विपक्षी दलों का गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के लंबे समय से सरकार के विरोध में प्रदर्शन कर रहा है।

नीदरलैंड : कोविड पाबंदियों के खिलाफ यूरोप के शहरों में तोड़फोड़ व हिंसा, कई लोग घायल

एम्स्टर्डम। कोविड प्रतिबंधों के विरोध में नीदरलैंड सहित पूरे यूरोप में दंगे फैल गए। नीदरलैंड के रॉटरडम में भड़के दंगे रविवार को देश के अन्य शहरों में भी फैल गए। सरकार ने 10 फरवरी तक कोविड संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए रात नौ बजे से सुबह 4:30 बजे के दौरान कर्फ्यू लगाने की घोषणा की थी। रविवार को हेग, एनस्किडे, एम्स्टर्डम आदि में हिंसक जुलूस निकाले गए। उर्क कस्बे में हिंसा के सिलसिले में अब तक 500 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ऑस्ट्रिया में 10 हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे

उधर, कोरोना पाबंदी के खिलाफ यूरोप के अन्य देशों में भी लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। नई पाबंदी से नाराज हजारों प्रदर्शनकारी ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया और इटली की सड़कों पर जमा हो गए। पूरे यूरोप की कई सरकारों ने इस महामारी से निजात पाने के लिए नए सिरे से पाबंदियां लगाई हैं। ऑस्ट्रिया में सरकार द्वारा फिर से देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद राजधानी वियेना में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किए। सरकार ने फरवरी में टीका लगवाना अनिवार्य कर दिया है।

ऑस्ट्रिया यूरोप का पहला देश है, जिसने टीकाकरण को कानूनी अनिवार्यता बना दिया है। वहीं, क्रोएशिया में सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मियों के लिए टीकाकरण अनिवार्य करने के खिलाफ हजारों लोगों ने राजधानी जगरेब में मार्च निकाला। उधर, इटली की राजधानी रोम में करीब चार हजार लोगों ने कार्यस्थलों, सरकारी वाहनों और सार्वजनिक स्थानों पर 'ग्रीन पास' सर्टिफिकेट अनिवार्य किए जाने का विरोध किया। वहीं, फ्रांस के अधिकारियों ने कैरीबियाई द्वीप गुआडेलोप में अशांति को नियंत्रित करने के लिए कई दर्जन और पुलिसकर्मी भेजे हैं। यहां फ्रांस का विदेश विभाग काम करता है। बेल्जियम के ब्रुसेल्स में भी आगजनी की खबरें हैं। जबकि ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावीद ने कहा है कि ब्रिटेन और जर्मनी के बीच यात्रा नियमों में बदलाव की कोई योजना नहीं है।

नीदरलैंड में कर्फ्यू उल्लंघन पर 8000 जुर्माना

कोविड कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर करीब आठ हजार रुपये (95 यूरो) के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पूरे देश में यह कर्फ्यू रात नौ बजे से सुबह 4:30 बजे तक लागू रहेगा। हालांकि एक सर्वे के मुताबिक देश के 70 फीसदी लोगों का मानना है कि सरकार का कर्फ्यू लगाने का फैसला सही है।

सुविचार

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ। - वेदव्यास

संपादकीय

स्वस्थ मन के लिए

कोरोना महामारी ने हमारी दुनिया को तरह-तरह से प्रभावित किया है। इसका व्यापक असर मानव मस्तिष्क पर भी पड़ा है, जिस पर लगातार अध्ययन व शोध का क्रम चल रहा है। एक व्यापक अध्ययन में 19 देशों के हेल्पलाइन नंबरों पर की गई 80 लाख टेलीफोन कॉल का अध्ययन किया गया है। इसमें यह पाया गया कि पहली लहर के दौरान लोग मानसिक रूप से ज्यादा परेशान थे और लोगों ने मदद मांगने के लिए खूब कॉल किए। आत्महत्या के विचार या दुर्व्यवहार जैसे आसन्न खतरों के बजाय अकेलेपन व महामारी के बारे में चिंताओं ने अधिकांश कॉल करने वालों को फोन करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित विश्लेषण महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए किया गया सबसे बड़ा प्रयास था। बीमारी के दौरान लोगों को अकेलापन अधिक सता रहा था और वे सवालों से भरे हुए थे, जिनका समाधान खोजने की कोशिश के तहत उन्होंने जहां भी संभव हुआ, हेल्पलाइन नंबरों पर फोन किया। शोध करने वालों ने बताया है कि कोरोना संक्रमण की प्रारंभिक लहर के पहले छह हफ्तों में हेल्पलाइन पर कॉल में ज्यादा वृद्धि हुई थी। हेल्पलाइन नंबरों पर सामान्य दिनों की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक कॉल आई थी। स्विट्जरलैंड में लॉजेन विश्वविद्यालय के एक अर्थशास्त्री और शोध पत्र के एक सह-लेखक मारियस ब्रुलहार्ट कहते हैं, 'घरेलू हिंसा या आत्महत्या के कारण कॉल में वृद्धि का कोई संकेत नहीं था।' लोग किसी न किसी से बात करना चाहते थे, महामारी संबंधी अपनी चिंताओं का इजहार करना चाहते थे। इसके अलावा शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि फ्रांस और जर्मनी में लॉकडाउन के अधिक सख्त होने पर हेल्पलाइन पर आत्महत्या से संबंधित कॉल में वृद्धि हुई थी, लेकिन जब सरकार ने जरूरतमंदों को वित्तीय सहायता का प्रस्ताव किया, तब खुदकुशी संबंधी चिंता कम हो गई। भारत जैसे देश में यह गौर करने लायक तथ्य है, जहां तनाव के दौर में किसानों व छोटे कारोबारियों ने बड़ी संख्या में आत्महत्या की है। संकेत साफ है, अगर किसी भी संकट या महामारी के समय ऐसे लोगों तक आर्थिक सहायता पहुंचा दी जाए, तो आत्महत्या के मामलों को कम किया जा सकता है। पश्चिमी देशों में ऐसे श्रमिकों व व्यवसायियों की पर्याप्त मदद की गई है, जो महामारी व लॉकडाउन के समय लाचार हो गए थे। शोध की यह परियोजना 2020 में महामारी के शुरुआती दिनों से ही जारी थी, जब शोधकर्ता मानसिक स्वास्थ्य पर महामारी व लॉकडाउन के प्रभाव की निगरानी के लिए रास्ता तलाश रहे थे। शोध के आंकड़े आने वाले समय में बहुत काम आएंगे। शोध दल ने अमेरिका, चीन, लेबनान व 14 यूरोपीय देशों सहित 19 देशों व क्षेत्रों से आंकड़े जुटाए। काश! यह अध्ययन और बड़े पैमाने पर किया जाता। वैज्ञानिक मानते हैंकि कुल मिलाकर यह शोध मानसिक स्वास्थ्य में बदलाव की निगरानी के लिए एक रोमांचक तरीका प्रदान करता है। यह सच है कि मानव समाज में आम तौर पर मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा होती है और बदलते समय के साथ मानसिक स्वास्थ्य को समझना और समझाना जरूरी होता जा रहा है। संकट के समय मानव मदद और सामाजिकता की तलाश करने लगता है। मतलब सरकार के स्तर पर भी ऐसी नीतियों को बढ़ावा देना चाहिए, जो प्रत्यक्ष सामाजिकता बढ़ाएं।

परमानंद

जग्गी वासुदेव/ आज तो भ्रमित करने वाले नशे की दवाएं भी ब्लिस (परमानंद) के नाम से बेची जाती हैं। अगर आप पश्चिम में 'ब्लिस' कहेंगे तो उन्हें लगेगा कि आप नशे की किसी खास गोली की बात कर रहे हैं। सच्चा परमानंद और झूठा परमानंद जैसा कुछ नहीं होता। जब आप सत्य में होते हैं तभी परमानंद में होते हैं। जब आप वास्तव में सत्य से जुड़ेंगे तब ही परमानंद में होंगे। परमानंद की अनुभूति होना अथवा न होना, ये आप के लिए एकदम सटीक परीक्षण की तरह है जो आप को बताता है कि आप सत्य में हैं अथवा नहीं हैं। ये प्रश्न शायद इस खास दिमागी सोच में से आ रहा है, 'अगर मैं सूर्यास्त देख रहा हूं और एकदम आनंद में हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है, मैं प्रार्थना कर रहा हूं और आनंद में हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है? या मैं अगर ध्यान कर रहा हूं और आनंदमय हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है'? अधिकतर लोग सुख को परमानंद समझ लेते हैं। आप कभी भी सुख को हमेशा के लिए टिका कर नहीं रख सकते। लेकिन परमानंद की अवस्था का अर्थ है 'वो अवस्था जो किसी पर भी आधारित नहीं है'। सुख हमेशा किसी व्यक्ति या वस्तु या परिस्थिति पर आधारित होता है। परमानंद की अवस्था किसी पर भी आधारित नहीं होती। आप के स्वभाव के कारण होती है। एक बार आप इसके साथ जुड़ जाते हैं तो आप इसमें ही होते हैं, बात बस यही है। परमानंद की अवस्था कोई ऐसी नहीं है जो आप कहीं बाहर से कमा कर लाएं। ये वो है जो आप अपने ही अंदर गहराई में उतर कर पाते हैं। यह कुआं खोदने जैसा है। आप मुंह खोल कर प्रतीक्षा करें कि जब बरसात होगी तब उसकी बूंदें आपके मुंह में गिरेंगी तो उनमें से कुछ बूंदें आपके मुंह में गिर भी सकती हैं। लेकिन अपनी प्यास बुझाने का यह तरीका हताशाजनक है। और बारिश हमेशा नहीं होती। दो-एक घंटे होगी और फिर बंद हो जाएगी। यही कारण है कि आप अपना कुआं खोदते हैं जिससे साल भर पानी मिलता रहे। आप जिसे सच्चा परमानंद कह रहे हैं, वो बस यही है। आपने अपने अंदर अपना कुआं खोद लिया है, और वो पानी प्राप्त कर लिया है जो आप के लिये हमेशा टिका रहेगा। यह वो पानी नहीं है जो आप को बरसात के समय मुंह खोल कर, उसके नीचे खड़े होने से मिलेगा। नहीं, यह वो पानी है जो हमेशा ही आप के पास है। यही परमानंद है।

मशरूम उत्पादन बना रहा है आत्मनिर्भर

- फूलदेव पटेल

कोरोना के बाद बेरोजगारों की तादाद बढ़ गई है. युवा आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं. दरअसल कोरोना की भयावहता ने उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार और मजदूरी करने के लिए बाध्य कर दिया है. कुछ युवा तो अपने राज्य में उचित अवसर नहीं मिलने की वजह से दूसरे प्रांत में पुनः जाने को मजबूर हैं. हालांकि प्रत्येक राज्य में भौगोलिक वातावरण के अनुसार कृषि आधारित रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं. बावजूद इसके युवा उचित मार्गदर्शन और योजनाओं की सही जानकारियां तथा प्रशिक्षण नहीं मिलने के कारण असमंजस की स्थिति में हैं. वह चाहते हैं कि मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी उद्योग, मशरूम की खेती, उन्नत और नकदी खेती बाड़ी करके अपने जीवन को नई दिशा दें. यदि सरकारी स्तर पर युवाओं को योजनाओं का लाभ मिले तो निस्संदेह युवा अपने ही राज्य में वैकल्पिक कृषि आधारित काम से कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं। हर युवाओं की तरह शशि भूषण तिवारी भी पढ़ाई-लिखाई के बाद रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में रोजगार तलाशते रहे. अंततः दिल्ली, मुंबई आदि महानगरों से निराश-हताश लौटकर मशरूम का उत्पादन शुरू किया और बन गए मशरूम मैन. आज अपने जिले के साथ-साथ अन्य राज्यों में बटन मशरूम के उत्पाद और सप्लाई से लाखों कमाई करके युवाओं के चहेते बन गए हैं. शशि भूषण ने जीविकोपार्जन के लिए जमीन लीज पर लेकर मशरूम का उत्पादन आरंभ किया. इसकी खेती करके न केवल अपने जीवन को संवारा बल्कि दर्जनों लोगों के जीवन में उम्मीद की नई किरण भी जगाई. बेरोजगारों को प्रशिक्षित करके अपने ही यूनिट में रोजगार से लैस किया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर प्रखण्ड अंतर्गत जसौली पंचायत के गोहा धनवती गांव के शशि भूषण तिवारी मशरूम की खेती (उत्पादन) के लिए अपने इलाकों में काफी चर्चित हैं. वह बी.ए पास करने के बाद घर की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिल्ली चले गए. वहां आज़ादपुर मंडी स्थित एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी करने लगे. पहली बार स्थानीय स्तर पर उन्हें एक भोज में आमंत्रित किया गया. वहीं मशरुम की सब्जी पर उनकी नजर पड़ी. उन्होंने मशरूम की विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए काफी प्रयास किये, पता चला कि यह दिल्ली के किसी भी सब्जी मंडी में आसानी से मिलता है. इसके बाद उन्होंने इसके उत्पादन से संबंधित जानकारियां एकत्रित की. उन्होंने मशरूम की खेती (उत्पादन) के बारे में दिल्ली के आसपास हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ आदि जगहों से जाना. कहते हैं कि अगर मन में लगन हो तो मंजिल आसान हो जाती है. शशि भूषण ने भी मन में ठान लिया कि अब अपने राज्य में ही मशरूम का उत्पादन करना है. इसके लिए सबसे पहले मशरूम उत्पादन केंद्र में काम करना शुरू किया. नौकरी करने के दौरान मशरूम उत्पादन के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की. कुछ महीने बाद नयी उमंग, नया जोश के साथ बिहार में ही मशरूम की खेती (यूनिट) करने का मन बनाया. वह अपने गृह जिला लौट आए और गांव में ही तक़रीबन एक एकड़ से अधिक की जमीन चालीस वर्ष के लीज पर लेकर मशरुम का उत्पादन शुरू किया. उन्होंने जून 2021 में मशरूम उत्पादन की बीड रखी. आज इस यूनिट से महज दो माह बाद से प्रतिदिन 1400-1500 किलो मशरूम का उत्पादन हो रहा है. इस संबंध में स्वयं शशि भूषण तिवारी बताते हैं कि बाजार में मशरुम की मांग बढ़ती जा रही है. वर्तमान में इसकी कीमत लगभग 150-200 प्रति किलो है. इसकी सप्लाई नेपाल, असम, बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में भी तेजी से बढ़ रहा है. स्थानीय स्तर पर मुज़फ़्फ़रपुर के अतिरिक्त बेतिया, मोतिहारी, वैशाली और राजधानी पटना में भी इसकी मांग हो रही हैं. वर्तमान में शशि भूषण के साथ जुड़ कर 75 महिलाएं और 50 पुरुष रोज़गार प्राप्त कर रहे हैं. यानी इस यूनिट से लगभग 600-700 परिवारों का भरण-पोषण हो रहा है. मशरूम को उगाने में तीस दिन एवं उसके खाद तैयार करने मे 20-25 दिन का समय लगता है. खाद सामग्री में गेहूं की भूसी, नारियल का बुरादा, मिट्टी आदि से बीड तैयार की जाती है. इसका उत्पादन 30 दिनों में पूरा हो जाता है. वह बताते हैं कि उन्हें मशरूम यूनिट को शुरू करने में चार करोड़ पच्चीस लाख रुपए की लागत आई. जिसमें बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ऋण के रुप में दो करोड़ पच्चीस लाख मिले. उन्होंने बताया कि उनके यूनिट को शुरू करने में उद्यान विभाग, पटना के डायरेक्टर नंद किशोर एवं कृषि सचिव एन श्रवण का विशेष योगदान है. वर्तमान में शशि भूषण केवल यूनिट में ही उत्पादन नहीं करते हैं, बल्कि आसपास के लोगों को भी प्रशिक्षित करके रोजगार से जोड़ने में दिलचस्पी रखते हैं. परमजीत, संजीत, अखिलेश, प्रकाश सिंह, माला देवी, रिंकू देवी, सोनाली कुमारी, आरती कुमारी, रुखसार खातून, अफसा खातून, मोमिना बेगम आदि छोटे किसान व बेरोजगार उनसे प्रशिक्षित होकर न केवल मशरूम से जीविकोपार्जन कर रहे हैं बल्कि आर्थिक स्वावलंबन के साथ-साथ उनके परिवार के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. स्वयं शशि भूषण का पुत्र बीएससी एग्रीकल्चर तथा पुत्री डेंटल की पढ़ाई पूरी कर रही है. आज पूरा परिवार मशरूम उत्पादन के सहारे आनंदमय जीवन जी रहा है. वह कहते हैं कि कम पूंजी से भी इस कार्य को पूरा किया जा सकता है. आहिस्ते-आहिस्ते पूंजी और निर्यात बढ़ाकर आमदनी बढ़ाई जा सकती है. वह युवाओं को सलाह देते हुए कहते हैं कि इस काम को शुरू करने से पहले किसी भी कृषि विश्वविद्यालय या केवीके से मशरूम उत्पादन एवं विपणन का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेनी चाहिए. साथ ही इस संबंध में सरकार की योजनाओं की जानकारी कृषि विभाग से प्राप्त करनी चाहिए. बगैर प्रशिक्षण के उत्पादन और मार्केटिंग की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संबंध में मशरूम यूनिट के प्रोजेक्ट मैनेजर रवि शंकर बताते हैं कि मशरूम के लिए तापमान कम-से-कम 20 डिग्री एवं अधिकतम 22 डिग्री तक होनी चाहिए. वह कहते हैं कि मशरूम उत्पादन के संबंध में बिहार में जागरूकता की कमी है. यदि युवाओं को इसके फायदे बताए जाए तो निःसंदेह वह घर से ही छोटे स्तर पर इसकी शुरुआत कर जीविकोपार्जन करने में सामर्थ्य हो सकते हैं. उन्हें अन्य प्रदेशों में भटकने की नौबत नहीं आएगी. रवि शंकर कहते हैं कि आज एक बड़ी आबादी मानसिक और शारीरिक रूप से रुग्ण होते जा रही है. अनियमित खानपान, रहन-सहन, अवसाद और अपर्याप्त पोषक तत्वों की वजह से शरीर रोग ग्रस्त होता जा रहा है. गर्भवती मां को गर्भावस्था के दौरान उपयुक्त देखभाल व पौष्टिक आहार उपलब्ध न होने के कारण कुपोषण की समस्या बढ़ रही है. परिणामतः नवजात शिशु को जन्म लेते ही पोषण के लिए आईसीयू में रखना पड़ रहा है. ऐसे में मशरूम में मौजूद तत्व के जरिए बच्चों का संपूर्ण पोषण किया जा सकता है. मशरूम पाउडर को दूध में मिलाकर पिलाने से आवश्यक तत्वों की कमी दूर की जा सकती है. यानि कम पैसे लागत से सभी तत्वों की पूर्ति की जा सकती है। क्षेत्र की जिला पार्षद पूनम देवी कहती हैं कि यह बड़ी ही खुशी की बात है कि मेरे जिला पार्षद क्षेत्र-1 में लघु उद्योग के रुप में मशरुम की खेती हो रही है. इससे लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और पोषक तत्व भी प्राप्त हो रहे हैं. उन्होंने आश्वासन दिया कि वह बिहार सरकार से मांग करेंगी कि इसी तरह के उद्योग जिला में अधिक से अधिक लगाया जाए ताकि न केवल ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी एवं भुखमरी मिटे बल्कि लोगों को रोज़गार के लिए परदेस भी जाने की ज़रूरत न हो. बहरहाल, शशि भूषण का यह उत्पादन केंद्र जिला में काफी चर्चित हो रहा है. आये दिन युवाओं की टोली प्रशिक्षण एवं उत्पादन के तरीके सीखने आ रही है. यदि इस तरह की यूनिट छोटे स्तर पर भी शुरू हो जाए तो, सेहत के साथ-साथ कमाने के लिए भी लोगों का पलायन रुक सकता है।

एफडीआई की तेज आवक बदलेगी भारत की तस्वीर

- आर.के. सिन्हा

इकबाल का एक शेर है- कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी/ सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़माँ हमारा। कोरोना जैसी भीषण वैश्विक महामारी से जूझते भारत को लेकर दुनिया भर के निवेशकों का रुख सकारात्मक बना हुआ है। उन्हें भारत में अपना पैसा निवेश करने पर बेहतर रिटर्न की उम्मीद बंधी रहती है। यह गवाही है कि हमारी अर्थव्यवस्था चट्टान की तरह मजबूत हो चुकी है। अगर यह बात सच न होती तो अप्रैल से दिसंबर, 2020 के दौरान, 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआई) देश में ना आया होता। यह किसी वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों में आया सबसे अधिक एफडीआई है। वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 9 महीनों के दौरान, एफडीआई में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। बहुत ज्यादा आंकड़ों के सहारे बात नहीं करेंगे। दरअसल भारत में एफडीआई सरकार की नीतियों और कुछ सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन करने के कारण आ रहा है। यह बात निर्विवाद है। पहले जान लेते हैं कि एफडीआई क्या है? इसका मतलब क्या होता है? भारत की अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश कैसे लाभ पहुंचाता है? दरअसल किसी विदेशी व्यक्ति या कंपनी द्वारा किसी भारतीय कंपनी में लगने वाले पैसे को विदेशी निवेश कहा जाता है। विदेशी निवेशक उस कंपनी के शेयर या बांड खरीद सकता है या अपना कोई उद्योग लगा सकता है। याद रखें कि विदेशी निवेशक अपने पैसे को स्वदेश वापस ले जाने के लिए आजाद है। मतलब किसी भी दूसरे देश की परियोजना या कंपनी में किया जाने वाला निवेश एफडीआई है। यह सीधा निवेश होता है और लंबी अवधि के लिए होता है। भारत के चौतरफा विकास में एफडीआई का अहम रोल रहता है। इसके आने से देश का चौतरफा विकास होता है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है। यह भी जान लें कि एफडीआई 'ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड' क्या होती है। अगर कोई विदेशी कंपनी भारत में निवेश कर अपना नया उद्योग लगाती है तो उसे 'ग्रीनफील्ड' एफडीआई कहते हैं, लेकिन जब विदेशी कंपनी भारत में पहले से ही चल रहे कारखाने या ब्रांड में हिस्सेदारी खरीदकर या अधिग्रहण कर उसके मैनेजमेंट पर अपना नियंत्रण हासिल कर लेती है तो उसे 'ब्राउनफील्ड' एफडीआई कहा जाता है। दरअसल सरकार का प्रयास रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति लागू करे। अगर बात साल 2014 से करें तो इस दिशा में उठाए गए कदमों का परिणाम है कि देश में एफडीआई प्रवाह लगातार, रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ता जा रहा है। भारत में सबसे अधिक एफडीई आ रही है इंफोरमेशन टेक्नालॉजी (आईटी) सेक्टर में। सबको पता है कि इस सेक्टर ने भारत की किस्मत बदल दी है। देश के करोड़ों नौजवान आईटी सेक्टर से किसी ना किसी रूप में जुड़े हुए हैं। ये सब बेहतर सैलरी लेकर अपने परिवारों का जीवन भी सुधार रहे हैं। भारत चाहे तो कपड़ा, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रानिक, फार्मा, आटो वगैरह सेक्टरों में मोटा एफडीआई आकर्षित कर सकता है। इस तरफ गौर करना होगा। हाथ पर हाथ धर करके नहीं बैठा सकता। सरकार को पता है कि बिना मोटा एफडीआई देश का कल्याण नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार अनेक कदम उठाती रही है। भारत में जिस गति से एफडीआई आ रही है, उससे साफ है कि वैश्विक निवेशकों के बीच भारत एक पसंदीदा निवेश की जगह के तौर पर स्थापित हो चुका है। यह बात संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से सामने आई है। हमें अब कोशिश करनी होगी कि हम दुनिया के पहले उन तीन देशों में आ जाएं जिन्हें सबसे ज्यादा एफडीआई मिलती है। अभी हमारा स्थान पांचवां है। हमें पहले तीसरे स्थान पर और फिर पहले स्थान के लिए कोशिश करनी होगी। कोशिश करेंगे तो बात बन भी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि देश में कोविड की दूसरी लहर के बावजूद भारत में एफडीआई की आवक साबित करती है कि निवेशक हमें पसंद करने लगे हैं। अब यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किस राज्य में सबसे अधिक एफडीआई पहुंची है। इस लिहाज से कर्नाटक सबसे आगे है। वित्त वर्ष 2021-22 (जुलाई, 2021 तक) के दौरान कुल एफडीआई 45 प्रतिशत हिस्से के साथ कर्नाटक में सबसे ज्यादा आया। इसके बाद महाराष्ट्र (23 प्रतिशत) और दिल्ली (12 प्रतिशत) का स्थान रहा है। कर्नाटक और महाराष्ट्र भारत की अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं। कर्नाटक तो भारत की आईटी राजधानी है। उसका एफडीआई हासिल करने में पहला स्थान हासिल करना हैरान नहीं करता। वहां पर ही हैं देश की चोटी की आईटी कंपनियां। यह सब जानते हैं। बेशक महाराष्ट्र आजादी के बाद से ही देश का सबसे प्रमुख औद्योगिक राज्य रहा है। समय के साथ हुई इनकी आर्थिक प्रगति ने देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है। नब्बे के दशक में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण का लाभ उठाते हुए इसनेअपनी जीडीपी को मजबूत बनाया और वर्तमान में जीडीपी के हिसाब से महाराष्ट्र देश का सबसे अग्रणी राज्य है। आज पाकिस्तान से बड़ी है महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था। महाराष्ट्र की जीडीपी का आकार पाकिस्तान की जीडीपी से अधिक है। ना केवल पाकिस्तान बल्कि मिस्र और दुनिया के 38 अन्य देशों की अर्थव्यवस्था से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था बड़ी है। टैक्स संग्रहण के मामले में भी महाराष्ट्र सबसे अव्वल है। देश के अन्य राज्यों को भी इन सूबों के हिसाब से चलना होगा। वे केंद्र के रहमोकरम पर नहीं रह सकते। देश के बाकी राज्यों को ठोस प्रयास करने होंगे कि उनके राज्यों में भी भारी एफडीआई आए। यह जानना जरूरी है कि सबसे ज्यादा एफडीआई सिंगापुर से आती है। उसके बाद अमेरिका का नंबर आता है। हमें एफडीआई की ताजा आवक से खुश नहीं होना। अभी संतोष करने का वक्त नहीं है। अभी तो मंजिल बहुत दूर है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सू-दोकू नवताल -1969

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

सू-दोकू -1968 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1969

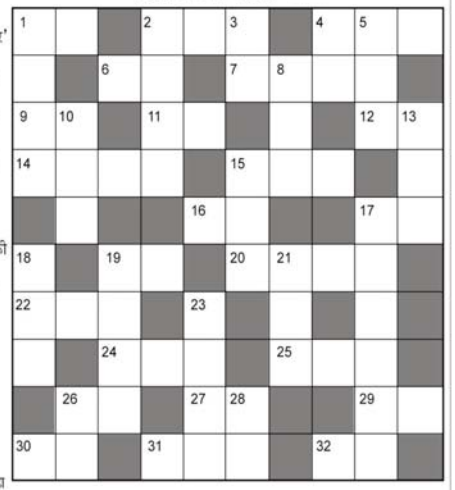

बायें से दायें:-

1. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-2
2. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-3
4. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-3
6. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-2
7. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-4
9. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-2
11. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-2
12. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-2
14. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे हैं' गीत वाली फिल्म-4
15. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-3
16. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-2
17. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
19. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-2
20. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-2,2
22. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-3
24. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-3
25. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-3
26. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-2
27. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-2
29. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
30. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-2
31. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-3
32. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-4
2. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-4
3. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
4. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-2
5. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-3
8. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-3
10. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-3
13. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंदरकुमार, नम्रता की फिल्म-3
17. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-2,2,2
18. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-3
19. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-4
21. 'गोरी जो भटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3
23. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-2,2
26. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-2
28. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1968

श्रृंगार

आपके व्यक्तित्व में लगाए चार चांद

शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते हैं। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही हैं तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती हैं।

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलैस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।

ठंडक बढ़ने लगी है तो आपने स्वेटर और जैकेट भी निकाल लिए होंगे, लेकिन फैशन के इस युग में स्टोल्स भी खूब आकर्षित करते हैं।

जब सर्दी में स्टाइलिश दिखना हो लाएं स्टोल

जब लगने लगे हल्की सर्दी या ठंडी हवाओं से बचाना हो कान और सिर को या फिर देना हो स्वेटर्श के साथ स्टाइलिश लुक तो नजर डालें स्टाइलिश स्टोल्स व मफलर्स पर।

कैसे-कैसे स्टोल्स

ठंडी पुरवाई चलने लगी है। अब बिना गरम कपड़ा ओढ़े भला कैसे रहा जा सकता है। ये बात और है कि इस मौसम में किसी को जैकेट लुभाती है तो किसी को हाई नेक व स्वेटर पसंद आते हैं। सर्दियों की ड्रेसिंग की बात करें तो एक ऐसी ड्रेस भी है, जो शान बढ़ाती है। जी हां, वह है स्टोल व मफलर्स। स्टोल न सिर्फ जीन्स, टॉप, ट्राउजर व कोट पर अच्छे लगते हैं, बल्कि सूट और साड़ी के साथ भी जंचते हैं और यही नहीं, ट्रेंडी वेस्टर्न आउटफिट्स जैसे ईवनिंग गाउंस और सिंगल पीस ड्रेसेस पर भी खूब लगते हैं स्टोल्स। जितना पोशाक की शान बढ़ाते हैं, उससे कहीं ज्यादा वैरायटी इनके आकार, रूप, डिजाइन और स्टाइल में भी उपलब्ध है। पोंचो स्टाइल, मफलर स्टाइल, चोकोर आकार वाले, शालनुमा स्टोल आदि। विभिन्न फैब्रिक जैसे सिल्क, पश्मीना, शनील, वुलन, नेट आदि प्योर व मिक्स, सभी तरह के फैब्रिक में प्रिंटेड तथा एम्ब्रॉयडेड, दोनों प्रकार के उपलब्ध हैं। ये बुने हुए, हैंडवर्क, मशीन वर्क वाले अनेक रंगों में उपलब्ध हैं।

कीमत भी अधिक नहीं

स्टोल का इस फैशनेबल युग में इतना ज्यादा चलन है कि यह हर तरह के बाजार की जान हैं। यह सरोजनी नगर, जनपथ से लेकर ब्रांडेड शॉप्स, डिजाइनर शो रूम्स, यहां तक कि स्टेट एम्पोरियम, फेयर आदि में भी खूब मिलते हैं। स्टोल के बारे में आपको बजट को लेकर ज्यादा सोचने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि यह कम बजट में भी उपलब्ध हैं। यह औसतन 200 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक काफी वैरायटी में मिल जाते हैं। स्टोल के संबंध में डिजाइनर अनुराधा राममक कहती हैं कि गले में डालने वाले वे स्टोल बहुत खूबसूरत लगते हैं, जो सामने ट्राइएंगल शेप देते हैं। वैसे इस साल नए डिजाइन में आप मल्टी डाइंग, मल्टी पैचिंग वाले बोल्ड कलर्स में स्टोल ट्राई कर सकते हैं।

मफलर स्टाइल

लड़कों में तो मफलर का चलन काफी समय से है। समय के साथ इनके रंग पैटर्न और डिजाइन में बदलाव आता रहा है। आजकल चौक, धारियों, एब्सट्रैक्ट आदि के विभिन्न डिजाइन वाले मफलर युवाओं में कोट के साथ भी डैशिंग लुक देते हैं। लड़कों के मफलर साइज के स्टोल युवा लड़कियों के लिए भी ट्रेंड में हैं। इनमें वैरायटी भी खूब है। नेट का आजकल काफी फैशन है, फिर चाहे सूट हो, साड़ी हो या टॉप ही क्यों न हो, भला स्टोल इनसे अछूते कैसे रह सकते हैं। इनमें नेट पर वेलवेट या वेलवेट मिक्स यानी वेलवेलीन और वुलन के सामंजस्य से बेहद आकर्षक स्टोल आज की शान बने हुए हैं। इनमें सिकुईंस और बीड वर्क या स्पार्कल वर्क हो तो ये पार्टी के लिए भी काफी उपयुक्त होते हैं। इन मफलर स्टाइल में कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें युवा लड़के-लड़कियां, दोनों ओढ़ सकते हैं। खादी वुलन के बुने हुए शॉलनुमा यह शॉल से थोड़े छोटे आकार के होते हैं। इनकी लम्बाई और खासकर चौड़ाई थोड़ी कम होती है। शॉल को ओढ़ने पर तीन फोल्ड आते हैं, जबकि इनमें दो ही फोल्ड आते हैं। यह प्रिंटेड से लेकर हैवी वर्क तक सभी तरह के स्टाइल में मिलते हैं। इस बार फ्लावर प्रिंट और फिगर प्रिंट वाले स्टोल ट्रेंड में हैं। इनमें करोशिए या वुलन वीविंग पर बीड्स वर्क तो बहुत ही जंचता है।

पोंचो स्टाइल

इनमें नैक काफी आकर्षक होता है। जैसे स्टाइलिश फॉलिंग नैक या राउंड नैक आदि। यह फ्रंट ओपन भी होते हैं। इनको गले से पहना जाता है और इनमें आस्तीन की शेप नहीं होती। यह गले से लेकर हाथ तक कवर कर लेते हैं। इनको अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए फ्रंट ओपन भी मिलने लगे हैं। यह बॉडी पर सामने यु, ट्राईएंगल या डाईगनल कट में आते हैं। इनके किनारों पर लगे विभिन्न झालर, बीड्स, लैस, फुंदने आदि इसे और आकर्षक बनाते हैं। यह मफलर स्टाइल से थोड़े ज्यादा रेंज के होते हैं।

ग्रिल्ड टोमैटो एंड ब्री सैंडविच

सामग्री - 8 स्लाइस आटा ब्रैड, 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, 1 लहसुन की तुर्री बीच से कटी हुई, 2 टेबलस्पून सरसों के दाने, 4 ब्री चीका की पतली परत, 1 1/3 कप पैकड बेबी शाक (हरी पत्तेदार सब्जियां) तथा पालक, 8 स्लाइस टमाटर पतली कटी हुई कुकिंग स्प्रे

विधि - ग्रिल को उच्च ताप पर तैयार करें, प्रत्येक ब्रैड स्लाइस की एक तरफ ब्रश से ऑयल लगाएं। ब्रैड पर लगे तेल पर लहसुन को रगड़ें। ब्रैड स्लाइस के तेल लगे हिस्से को नीचे की ओर रख प्रत्येक स्लाइस पर सरसों बिखराएं और चीका, 1/3 कप पालक तथा टमाटर स्लाइस रखें। बाकी बचे ब्रैड स्लाइस ऑयल साइड ऊपर कर इनके ऊपर रख दें। अब सैंडविच को ग्रिल में रखें तथा कुकिंग स्प्रे करें और कम से कम 2 मिनट के लिए ग्रिल करें ताकि सैंडविच अच्छी तरह रोस्ट हो जाएं और चीका मैलट हो जाए। आप के सैंडविच तैयार हैं, इन्हें आप 4 लोगों में सर्व कर सकती हैं।

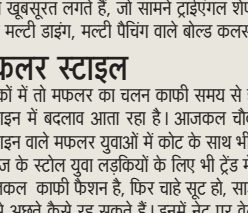

आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

बच्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं ज़ब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है। दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ाना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

आपके आंगन खिलखिलाएगा बचपन

आई यू आई तकनीक उन दंपतियों के लिए वरदान है जो गर्भधारण न कर पाने की समस्या से परेशान हैं। यह न केवल एक आसान प्रक्रिया है, बल्कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं हैं।

हर महिला मां बन कर ही खुद को संपूर्ण महसूस करती है। घर में बच्चे की किलकारी सुनकर एक मां का दिल गुलजार हो उठता है। लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जिनका मां बनने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसी ही कुछ महिलाओं में से एक है मीता, जो शादी के बाद किसी वजह से गर्भधारण नहीं कर पा रही थी। ऐसे में वह तनाव, गुस्सा और अकेलापन महसूस करने लगी, साथ ही समाज के तानों से बचने के लिए वह रिश्तेदारों से भी दूर होने लगी। पर, जब उसके डॉक्टर ने उसे इंट्रायूटराइन इनसिमीनेशन (आई यू आई) नाम के एक तकनीक के बारे में बताया, तो उसे अपनी समस्या का हल दिखता नजर आया।

आजकल तनाव, व्यस्त जीवनशैली और प्रदूषित वातावरण के कारण कई दंपतियों को प्राकृतिक तरीके से गर्भधारण करने में दिक्कत होती है। कई युवा आजकल शादी देर से करते हैं और कई बार गर्भधारण जैसे विषय को गंभीरता से नहीं लेते। जब बच्चे की कमी महसूस होने लगती है तो काफी उम्र निकल जाती है, जिससे गर्भधारण में काफी जटिलता आ जाती है। यही नहीं, इससे दंपति को बहुत मानसिक तनाव हो जाता है, जिसका सीधा असर उनके गर्भधारण पर पड़ता है। पर, ऐसा नहीं है कि इसका कोई हल नहीं है। आजकल कई युवा दंपति कृत्रिम गर्भधारण तकनीकों के जरिए अपने मां-बाप बनने का सपना पूरा कर रहे हैं। आई यू आई भी इन्हीं कृत्रिम गर्भधारण के तकनीकों में से एक है।

क्या है आई यू आई?

आई यू आई तकनीक के तहत तेजी से बढ़ रहे शुक्राणुओं को सीधे ही महिला के गर्भाशय में रख दिया जाता है, जिससे गर्भधारण की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि शुक्राणुओं को अंडे के करीब रखा जाता है। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को महिला के गर्भ में डाला जाता है। बेहतरीन गुणवत्ता के शुक्राणुओं को 36 से 40 घंटे के बाद एक छोटी नलिका (एक बेहद नरम लचीली ट्यूब) की मदद से गर्भाशय ग्रीवा (गर्भ का द्वार) में रखा जाता है।

आई यू आई तकनीक अपनाने से पहले फैलोपियन ट्यूब की जांच की जाती है। फैलोपियन ट्यूब में किसी भी तरह की रुकावट को देखने के लिए लेप्रोस्कोपी और डाई टेस्टिंग दोनों बहुत अहम प्रक्रिया हैं। लेप्रोस्कोपी के दौरान बहुत ही बारीक टेलीस्कोप को यूट्रस की कैविटी में डाला जाता है। अगर यूट्रस की कैविटी में किसी रुकावट का पता चलता है तो पहले उस रुकावट को हटाया जाता है।

दवाओं की मदद भी ली जाती है

आई यू आई की सफलता सुनिश्चित करने के लिए दवाओं का इस्तेमाल भी किया जाता है। दवा के द्वारा अंडों के प्रोडक्शन में सुधार किया जाता है। आई यू आई में ज्यादा सफलता पाने के लिए इस प्रक्रिया को उस दिन किया जाता है, जिस दिन से महिला को पीरियड्स शुरू होता है। महिला को पीरियड शुरू होने का सही दिन पता चल सके, इसके लिए उसे ओव्यूलेशन किट दी जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान महिला का योनि मार्ग द्वारा अल्ट्रासाउंड या फिर रक्त जांच की जाती है।जिस दिन इस प्रक्रिया को किया जाता है, उस दिन शुक्राणुओं को इकट्ठा कर उनमें से क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को अलग किया जाता है। इसके बाद लगभग 36 से 40 घंटे बाद एक छोटी ट्यूब की मदद से शुक्राणुओं को गर्भ में रखा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को करने में कुछ ही मिनट का समय लगता है और आमतौर पर यह दर्दरहित प्रक्रिया होती है।

कब लें इस तकनीक का सहारा

- गर्भधारण न होने का अस्पष्ट कारण
- ओव्यूलेशन में समस्या
- शुक्राणुओं की संख्या कम होना
- शुक्राणुओं की गतिशीलता कम होना
- गर्भाशय ग्रीवा की स्थिति शुक्राणुओं के अनुकूल न होना
- शीघ्रपतन होना
- काफी सरल है यह प्रक्रिया
- आमतौर पर दर्द नहीं होता। लेकिन कई महिलाओं को माहवारी के दौरान होने वाला दर्द महसूस हो सकता है
- कुछ ही घंटों में महिला घर जा सकती है
- आई यू आई की प्रक्रिया के बाद कोई दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में व्यक्ति को बेहोश करने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में कुछ मिनटों का ही वक्त लगता है

88 प्रतिशत निदेशक मंडल मानते हैं कि साइबर सुरक्षा व्यावसायिक जोखिम के तौर पर बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार लगभग 88 प्रतिशत निदेशक मंडल साइबर सुरक्षा को प्रौद्योगिकी जोखिम के बजाय एक व्यावसायिक जोखिम के रूप में देखते हैं। हालांकि, उनमें से केवल 12 प्रतिशत के पास एक समर्पित बोर्ड-स्तरीय साइबर सुरक्षा समिति है । ग्लोबल मार्केट रिसर्च फर्म गार्टनर का कहना है कि भले ही बिजनेस लीडर्स को नए और उभरते खतरों के खिलाफ उद्यम को सुरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में पता है, सुरक्षा की जिम्मेदारी ज्यादातर आईटी नेतृत्व के पास है। गार्टनर ने पाया कि 85 प्रतिशत संगठनों में, सीआईओ, सीआईएसओ या उनके समकक्ष साइबर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार शीर्ष व्यक्ति थे और केवल 10 प्रतिशत संगठनों ने गैर-आईटी वरिष्ठ प्रबंधकों को पाया है। गार्टनर के प्रतिष्ठित शोध उपाध्यक्ष पॉल प्रॉक्टर ने कहा, यह आईटी के बाहर के अधिकारियों के लिए उद्यम को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी लेने का समय है। 2021 के दौरान रैंसमवेयर और आपूर्ति श्रृंखला हमलों को देखा गया, जिनमें से कई लक्षित संचालन- और मिशन-महत्वपूर्ण वातावरण, एक वेक-अप कॉल होना चाहिए कि सुरक्षा एक व्यावसायिक समस्या है, न कि केवल आईटी को हल करने के लिए एक और समस्या है। उद्यम को खतरों से बचाने के लिए आईटी और सुरक्षा नेताओं को अक्सर अंतिम प्राधिकरण माना जाता है। प्रॉक्टर ने कहा, फिर भी, व्यापारिक नेता सीआईओ या सीआईएसओ से परामर्श किए बिना हर दिन निर्ण य लेते हैं, जो संगठन की सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि सीआईओ और सीआईएसओ को साइबर सुरक्षा के लिए जवाबदेही को संतुलित करना चाहिए ताकि इसे व्यापार और उद्यम के नेताओं के साथ साझा किया जा सके। प्रॉक्टर ने कहा, सुरक्षा में इतने भारी निवेश के वर्षों के बाद, बोर्ड अब पीछे हट रहे हैं और पूछ रहे हैं कि उनके डॉलर ने क्या हासिल किया है।

हुआवेई फ्रीबड्स 4आई एएनसी, स्लीक डिजाइन के साथ 7,990 रुपये में उपलब्ध

नई दिल्ली। टेक दिग्गज हुआवेई ने भारतीय बाजार में फ्रीबड्स 4आई पेश किया है। यह ईयरबड्स स्टाइलिश और अच्छी साउंड क्वालिटी के साथ आता है। फ्रीबड्स 4आई सिरेमिक व्हाइट, कार्बन ब्लैक, रेड और सिल्वर फॉस्ट कलर फिनिश में 7,990 रुपये में उपलब्ध है।एक्टिव नॉइज कैंसलेशन (एएनसी) और अवेयरनेस सहित कई यूजर-फ्रेंडली फीचर्स के साथ हैयरेबल डिवाइस आता है। डिजाइन के संदर्भ में, फ्रीबड्स 4आई में एयरपोड जैसा डिजाइन है और यह हल्का, चिकना और आरामदायक है। ग्रिप की बात करें तो यह जॉगिंग या वर्कआउट के लिए परफेक्ट है। दाईं ओर एक बटन आपको इसे अपने स्मार्टफोन या ब्लूटूथ-सक्षम डिवाइस के साथ जोड़ने की अनुमति देता है, जबकि नीचे एक यूएसबी-सी पोर्ट चार्जिंग दिया गया है और सामने एक एलईडी आपको शेष बैटरी के बारे में अलर्ट करता है। फ्रीबड्स 4आई में 10 मिमी बड़ा डायनेमिक ड्राइवर है जो पंची बास के लिए व्यापक रेंज को सक्षम बनाता है और रियर चेंबर डिजाइन ध्वनि प्रभावों में स्थिरता सुनिश्चित करता है। फ्रीबड्स 4आई अवेयरनेस मोड के साथ आता है ताकि यूजर्स अपने परिवेश के बारे में जागरूक रह सके और अपने आसपास के लोगों के साथ स्पष्ट रूप से बता कर सके। यह उल्टे ध्वनि तरंगों को उत्पन्न करने के लिए अंतर्निहित ध्वनिक घटकों और एल्गोरिदम का उपयोग करता है। यह तकनीक ईयरबड्स को सक्रिय रूप से शोर को रद्द करने और उपयोगकर्ता के लिए अधिक इमर्सिव ऑडियो अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देती है। ईयरबड्स में डुअल-माइक सिस्टम है जो बाहरी हवा के शोर को कम करने में मदद करता है। बैटरी की बता करें तो, 55एमएएच पावर सेल के साथ आने वाले ईयरबड्स अधिकतम वॉल्यूम और एएनसी ऑफ के साथ एक दिन से अधिक समय तक चलता हैं। हालाँकि, यदि आप एएनसी को चालू करते हैं, तो यह केवल 6-7 घंटे तक चल सकता है।

एयरटेल यूजर्स को झटका- कंपनी ने 25 फीसदी तक बढ़ाई प्रीपेड प्लान्स की दरें

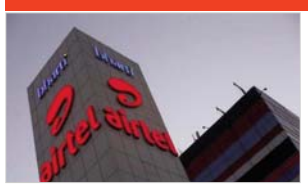

(एजेंसी)।

देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल ने अपने उपभोक्ताओं को बड़ा झटका देते हुए प्रीपेड प्लान्स की कीमत में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। एयरटेल ने प्रीपेड प्लान्स की दरों में तकरीबन 25 फीसदी तक बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी की ओर से बढ़ाई गई नई दरें आगामी 26 नवंबर 2021 से लागू होंगी। कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि एयरटेल ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि प्रति यूजर्स मोबाइल औसत राजस्व **(ARPU)** कम से कम 200 रुपए और अधिकतम 300 पर होना चाहिए, ताकि पूंजी पर एक उचित रिटर्न प्रदान किया जा सके, जो वित्तीय रूप से स्वस्थ व्यापार मॉडल की अनुमति देता है। कंपनी ने आगे कहा कि हम यह भी मानते हैं कि **ARPU** का यह स्तर नेटवर्क और स्पेक्ट्रम में आवश्यक पर्याप्त निवेश को सक्षम करेगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि यह एयरटेल को भारत में 5जी को रोल आउट करने के लिए काफी जगह देगा। इसलिए, पहले कदम के रूप में नवंबर के महीने के दौरान हम अपने टैरिफ को **rebalance** करने का कदम उठा रहे हैं और नई टैरिफ 26 नवंबर, 2021 से प्रभावी होंगी।

प्रीपेड की नई दरें

सभी प्रीपेड पैक की नई टैरिफ 26 नवंबर, 2021 से **www.airtel.in** पर उपलब्ध होंगे। शुरुआती वायस प्लान का टैरिफ 28 दिनों की वैधता के साथ मौजूदा 79 रुपए की जगह अब 99 रुपए होगा। इसमें 50 प्रतिशत अधिक टॉकटाइम (99 रुपए), 200 एमबी डेटा और एक पैसा प्रति सेकेंड का वॉयस टैरिफ जैसे लाभ शामिल हैं।

घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री चालू वित्त वर्ष में 1-4 प्रतिशत घटेगी: इक्रा

मुंबई (एजेंसी)

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री मात्रा के आधार चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 1-4 प्रतिशत घट सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि दोपहिया वाहनों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, पेट्रोल महंगा होने के साथ ही अन्य कारणों से यह कमी होगी। इक्रा ने कहा कि त्योहारी सत्र के खराब प्रदर्शन ने निम्न आय वर्ग वाली आबादी की खरीद क्षमता के बारे में चेतावनी को भी उजागर किया है। इक्रा रेटिंग्स ने उम्मीद जताई कि त्योहारी सत्र के कमजोर प्रदर्शन के बाद वित्त वर्ष 2021-22 में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री मात्रा के आधार पर 1-4 प्रतिशत तक घट जाएगी। वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 80.5 लाख इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधी में भी लगभग इतनी ही थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर्ज अदायगी में चूक के चलते फाइनेंसर भी सतर्क हैं।

शाओमी अपने 9 स्मार्टफोन्स को एमआईयूआई 13 में करेगा अपडेट: रिपोर्ट

बीजिंग (एजेंसी)।

शाओमी के संस्थापक लेई जून ने हाल ही में पुष्टि की थी कि कंपनी के यूजर इंटरफेस (यूआई) का अगला प्रमुख संस्करण एमआईयूआई 13 जल्द ही आने की राह पर है और अब फर्म अपने नौ स्मार्टफोन को आगामी प्रमुख एमआईयूआई संस्करण में अपडेट करने के लिए लगभग तैयार है।जीएसएम अरेना की रिपोर्ट के अनुसार, सूची एमआईयूआई13 के स्रोत कोड के अंदर पाई गई थी और एमआई मिक्स 4, एमआई 11, एमआई 11 प्रो, एमआई 11 अल्ट्रा, एमआई 11 लाइट, एमआई 10एस, रेडमी के40, के40 प्रो और के40 प्रो प्लस के लिए स्थिर संस्करण बहुत जल्द आने की संभावना है. एमआईयूआई 13 नए यूआई डिजाइन के साथ परफॉर्मेंस और बैटरी ऑप्टिमाइजेशन प्रदान करेगा। जून ने यह भी कहा कि एमआईयूआई 13 बहुत सारे बदलाव लाएगा जो उपयोगकर्ता अनुभव में काफी सुधार करेगा। अपडेट को पहले एमआई मिक्स 4 रिलीज के लिए योजनाबद्ध किया गया था। हालांकि, सॉफ्टवेयर को बेहतर बनाने के लिए डेवलपर्स को अधिक समय की आवश्यकता थी। लेई जून ने यह भी नोट किया कि हाल ही में घोषित एमआईयूआई 12.5 की बैटरी ऑप्टिमाइजेशन रेडमी नोट 11 प्रो बैटरी लाइफ में योगदान दे रही है। कंपनी ने घोषणा की कि एमआईयूआई 12.5 एन्हांस्ड प्रदर्शन से संबंधित कई बदलाव लाता है। अपडेट के साथ, सिस्टम का प्रदर्शन 36 महीनों के बाद 5 प्रतिशत से भी कम गिर जाएगा। यह एटॉमिक या एटमाइज्ड मेमोरी फीचर भी लाएगा जो यूजर को बैकग्राउंड में और ऐप्स रखने देगा।

2022 में एक तिहाई कंपनियां कहीं भी काम में फेल हो जाएंगी: रिसर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हाइब्रिड कार्यस्थल नए सामान्य में काम के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं, एक तिहाई कंपनियां कहीं भी काम के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल हो जाएंगी, और यह कोविड वायरस की गलती नहीं होगी।

वैश्विक शोध फर्म फॉरेस्टर के अनुसार, महामारी के बाद के उछाल के दौरान मुआवजे को समायोजित करने में 100 प्रतिशत कंपनियां विफल हो जाएंगी। हालांकि, कर्मचारी रिकग्निशन कार्यक्रमों को अगले साल कुल मुआवजे के 1 फीसदी से बढ़ाकर 2 फीसदी कर दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, कंपनियों को बहुत सारे निर्णय लेने होते हैं - लोग कहां काम कर सकते हैं, काम के लिए उनके पास कौन से उपकरण उपलब्ध होने चाहिए, और प्रबंधक पर्यवेक्षकों की तुलना में अधिक कोच बनने के लिए कैसे शिफ्ट हो सकते हैं। कर्मचारी आज काम पर अपनी सफलता को सक्षम करने के लिए अलग-अलग चीजें, बेहतर संसाधन चाहते हैं, और वे अपने करियर के लिए अलग-अलग परिणाम भी चाहते हैं। वे सबूत देखते हैं कि वे उचित चीजें मांग सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं जो वे चाहते हैं। इस पृष्ठभूमि में, अमेरिका में केवल 48 प्रतिशत बड़े संगठनों के पास कर्मचारी अनुभव के लिए एक समर्पित कार्यक्रम है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह संख्या बढ़कर 65 प्रतिशत हो जाएगी क्योंकि अधिक अधिकारी अपनी मासिक छोड़ने की दरों को 2 प्रतिशत तक उच्च स्तर पर देखते हुए अचानक उच्चतम क्रम के पूर्व अधिवक्ता बन जाएंगे।

कर्मचारी अनुभव बजट बढ़ जाएगा, इसलिए मानव कार्यबल के पूरक के लिए डिजाइन किए गए स्वचालन और रोबोटिक्स में निवेश होगा। फॉरेस्टर के अनुसार, एक बड़ी कंपनी यह भी घोषणा करेगी कि वह अपने मानव कार्यबल को अपने मौजूदा स्तरों पर सीमित कर रही है और इसके बजाय स्वचालन और रोबोटिक्स के माध्यम से अपनी क्षमता का विस्तार करने का लक्ष्य रखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह का साहसिक कदम, कार्यबल के अमानवीयकरण का संकेत देने के बजाय, उन लोगों के लिए एक प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करेगा, जो पहले से ही वहां काम कर रहे हैं, जिससे उन्हें बढ़ी हुई भूमिका मिल जाएगी क्योंकि स्वचालन उन्हें काम के लिए तैयार महाशक्तियों के बराबर प्रदान करता है।

कोरोना काल में रेलवे के इस नियम से 4 करोड़ बुजुर्ग यात्रियों को लगा झटका

(एजेंसी)।

मार्च 2020 में कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण रेलवे द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने के बाद से लगभग चार करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को अपनी यात्रा के लिए पूरा किराया चुकाना पड़ा है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत मांगी गई जानकारी में यह बात सामने आई है। मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौड़ द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में रेलवे ने कहा है कि 22 मार्च 2020 से सितंबर 2021 के बीच 3,78,50,668 वरिष्ठ नागरिकों ने ट्रेनों में यात्रा की। इस अवधि के दौरान कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के मद्देनजर कई महीनों तक ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं। मार्च 2020 से स्थगित की गईं रियायतें आज तक निलंबित हैं। वरिष्ठ नागरिकों के मामले में, महिलाएं 50 प्रतिशत रियायत के लिए पात्र हैं, जबकि पुरुष 40 प्रतिशत छूट प्राप्त कर सकते हैं। इस श्रेणी में महिलाओं के लिए न्यूनतम आयु सीमा 58 और पुरुषों के लिए 60 वर्ष है। अगले सप्ताह कोलकाता की यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे वरिष्ठ नागरिक तापस भट्टाचार्य ने कहा, ''हमें जो रियायत दी जाती थी वह काफी महत्वपूर्ण थी और उन लोगों के लिए बहुत बड़ी मदद की तरह है जो इसे वहन नहीं कर सकते। कई घरों में वरिष्ठ नागरिकों को एक अतिरिक्त सदस्य के रूप में माना जाता है, उनकी अपनी कोई आय नहीं होती है। इन रियायतों से उन्हें कहीं आने-जाने में मदद मिलती है। नियमित ट्रेन सेवाएं संचालित किए जाने के साथ वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली रियायतें बहाल की जानी चाहिए। अधिकतर बुजुर्ग पूरा किराया नहीं दे सकते। पिछले दो दशकों में रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायतों पर काफी चर्चा हुई है, जिसमें कई समितियों ने उन्हें वापस लेने की सिफारिश भी की। इसका नतीजा यह हुआ कि जुलाई 2016 में रेलवे ने टिकट बुक करते समय बुजुर्गों को मिलने वाली रियायत को वैकल्पिक बना दिया। जुलाई 2017 में, रेलवे ने बुजुर्गों के लिए 'रियायत छोड़ने' के विकल्प की योजना भी शुरू की। पिछले महीने एक पत्र में, मदुरै के सांसद एस. वेंकटेशन ने रेल मंत्री से रेल यात्रा के लिए यात्रियों को दी जाने वाली रियायतों को बहाल करने की अपील करते हुए कहा कि यह उस देश में बुजुर्गों के लिए आवश्यक है जहां 20 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ नागरिक यात्रियों की ओर से 'गिव इट अप' (रियायत छोड़ने की) योजना को मिली प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक नहीं थी। रिपोर्ट में कहा गया कि कुल 4.41 करोड़ वरिष्ठ नागरिक यात्रियों में से 7.53 लाख (1.7 प्रतिशत) यात्रियों ने 50 प्रतिशत रियायत छोड़ने का विकल्प चुना और 10.9 लाख (2.47 प्रतिशत)

यात्रियों ने 100 प्रतिशत रियायत छोड़ दी। रेलवे ने पिछले दस दिनों में अपनी ऐसी कुछ सेवाओं को बहाल कर दिया है, जिसे उसने कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर निलंबित कर दिया था। इसमें रेलगाड़ियों से ''विशेष'' टैग को हटाना भी शामिल है। इससे टिकटों की कीमतों में कमी आई है। ट्रेनों में गर्म पका हुआ भोजन परोसने की सेवा को भी फिर से शुरू किया गया है। हालांकि, रियायतें बहाल करने और बेडरोल उपलब्ध कराने का निर्णय अभी भी लंबित है।

एयरटेल ने की संशोधित मोबाइल टैरिफ की घोषणा

नई दिल्ली,

भारती एयरटेल ("एयरटेल") काफी समय से मोबाइल एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (ARPU) को बढ़ाने के विषय में अपने विचार व्यक्त करती आई है। इसी दिशा में एयरटेलAR-PU को200 रुपये और अंतत: 300 रुपये रखना चाहती है,ताकि पूंजी पर उचित रिटर्न मिल सकेजो वित्तीय रूप से एक स्वस्थ व्यवसाय मॉडल की पुष्टि करता है।

एयरटेल यह भी मानती हैं कियहक्र्क्कका स्तरनेटवर्क और स्पेक्ट्रम में आवश्यक निवेश को सक्षम करेगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एयरटेल को भारत में 5जी को रोल आउट करने के लिए अतिरिक्त मजबूती प्रदान करेगा।

इसलिए, पहले कदम के रूप में, कंपनी नवंबर के महीने के दौरान अपने टैरिफ को पुन: संतुलित करने के लिए अग्रसर हैं।एयरटेल के मुताबिक नए टैरिफ26 नवंबर 2021 से नीचे दिए गए टेबल के अनुसार प्रभावी होंगे।

एयरटेल के नए प्रीपेड टैरिफ

Current Price (Rs)	Validity	New Price (Rs)	Benefits
Tariffed Voice Plans			
79	28 days	99	**Rs 99 Worth Talktime** , 200MB data 1p/sec voice tariff
Unlimited Voice Bundles			
149	28 days	179	Unlimited calling, 100 SMS/day, 2 GB data
219	28 days	265	Unlimited calling, 100 SMS/day, 1 GB/day data
249	28 days	299	Unlimited calling, 100 SMS/day, 1.5 GB/day data
298	28 days	359	Unlimited calling, 100 SMS/day, 2 GB/day data
399	56 days	479	Unlimited calling, 100 SMS/day, 1.5 GB/day data
449	56 days	549	Unlimited calling, 100 SMS/day, 2 GB/day data
379	84 days	455	Unlimited calling, 100 SMS/day, 6 GB data
598	84 days	719	Unlimited calling, 100 SMS/day, 1.5 GB/day data
698	84 days	839	Unlimited calling, 100 SMS/day, 2 GB/day data
1498	365 days	1799	Unlimited calling, 100 SMS/day, 24 GB data
2498	365 days	2999	Unlimited calling, 100 SMS/day, 2 GB/day data
Data Top-ups			
48	Unlimited	58	3 GB data
98	Unlimited	118	12 GB data
251	Unlimited	301	50 GB data

एंड्राइड जल्द ही आईमैसेज रिएक्शन का इमोजी में अनुवाद शुरू करेगा

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एंड्राइड डिवाइस पर गूगल मेसेज एप जल्द ही टेक्स्ट के बजाय इमोजी के रूप में आईमैसेज प्रतिक्रियाओं को रिएक्शन शुरू कर सकता है। 9टू5गूगल के अनुसार, गूगल मैसेज के लेटेस्ट बीटा अपडेट में आईमैसेज रिएक्शन को टेक्स्ट के रूप में दिखाने के बजाय, गूगल मैसेज जल्द ही उन्हें इमोजी में बदल सकता है।

आईओएस और मैकओएस पर आईमैसेज यूजर्स के रिएक्शन जोड़ सकते हैं, जैसे हंसी, अंगूठे ऊपर या नीचे और अन्य प्रतिक्रियाएं, जो आईमैसेज में एनोटेशन के रूप में दिखाई देती हैं। जबकि उन प्रतिक्रियाओं का उपयोग एंड्रॉइड यूजर्स से एक ऐसग्रीन बबल संदेश पर प्रतिक्रिया करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन एंड्रॉइड वर्तमान में उनकी सही व्याख्या नहीं करता है। इस बीच, व्हाट्सएप ने बीटा चैनल पर अपने एंड्रॉइड यूजर्स के लिए 2.21.24.8 अपडेट जारी किया है, जिससे पता चलता है कि कंपनी अपने एंड्रॉइड ऐप के लिए मैसेज रिएक्शन नोटिफिकेशन पर काम कर रही है। व्हाट्सएप अब कुछ महीनों से मैसेज रिएक्शन फीचर विकसित कर रहा है, जो इसके नाम से स्पष्ट है। यह यूजर्स को संदेशों पर उसी तरह प्रतिक्रिया करने देता है जैसे वे फेसबुक ऐप पर पोस्ट और टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया करते हैं।पहले, व्हाट्सएप की संदेश प्रतिक्रियाओं के यूजर्स को सूचित करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन कंपनी ने बाद में इसे अपने आईओएस ऐप के बीटा संस्करण के लिए विकसित करना शुरू कर दिया और अब यह अपने एंड्रॉइड यूजर्स को भी यही सुविधा प्रदान करने पर काम कर रही है।

The Waterbase Limited ने 'एग्रो-फूड एम्पॉवरिंग इंडिया अवॉर्ड्स' 2021 में खाद्य उत्पाद श्रेणी जीती

Waterbase Limited भारत में श्रिम्प एक्वाकल्चर में प्रमुख, सफल झींगा पालन के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने में ध्यान केंद्रित करता है, जिसे च्एग्री-फूड एम्पॉवरिंग इंडिया अवार्ड्स 2021ज में खाद्य उत्पाद श्रेणी से सम्मानित किया गया है। Waterbase Limited को च्एग्री-फूड एम्पावरिंग इंडिया अवार्ड्स 2021ज की खाद्य उत्पाद श्रेणी में विजेता घोषित किया गया है। यह पुरस्कार हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री प्रहलाद सिंह पटेल, माननीय राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार खाद्य प्रसंस्करण, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, विनिर्माण उत्कृष्टता और खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान में इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और नवीन अवधारणाओं को स्वीकृति प्रदान करता है। पुरस्कार योजना की अवधारणा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय संस्थानों की विभिन्न सरकारी एजेंसियों के सहयोग से सम्पन्न की गई है। पुरस्कार पर अपने उत्साह को साझा करते हुए Waterbase Limited के सीईओ- श्री रमाकांत अकुला ने कहा, च्यह पुरस्कार हमारे प्रयासों की अभिस्वीकृति है और इस पुरस्कार ने हमें बहुत खुशी और प्रेरणा दी है। हमारी 28 साल की प्रतिबद्धता में, हम स्थिरता और गुणवत्ता वाले सभी उत्पादों को प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस दिशा में, हमारे सभी कार्यों को पर्यावरण की रक्षा करने, सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने और सर्वोत्तम बीज फ़ीड और कृषि देखभाल उत्पादों की पेशकश करने पर बल दिया जाता है, ताकि यह तय किया जा सके कि झींगा-सेवन करने हेतु पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं।

श्री अकुला ने आगे कहा, "'एग्री-फूड एम्पावरिंग इंडिया अवार्ड्स 2021' में खाद्य उत्पाद श्रेणी पुरस्कार जीतना निश्चित रूप से Waterbase Limited के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और हम भविष्य में और भी कई पुरस्कार जीतने की आशा करते हैं।"

Waterbase भारत में श्रिम्प एक्वाकल्चर लाने में प्रमुख है। तब से, कंपनी देश में झींगा की खेती से संबंधित शुरू से अंत तक का समाधान प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी का ध्यान हमेशा सम्मानित झींगा (जलकृषि) किसानों और उसके हितधारकों को जानकारी और सेवाएं प्रदान करने पर रहा है।

डब्ल्यूबीबीएल-7 टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल हुई हरमनप्रीत कौर

पर्थ। भारत की ऑलराउंडर और टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड जुड़ गया है। वह मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलते हुए महिला बिग बैश लीग-7 (डब्लूबीबीएल) टूर्नामेंट टीम में चुने जाने वाली केवल दो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों में से एक बनी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को इस बात की घोषणा की।इस लिस्ट में शामिल होने वाली न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन जो पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए खेलती हैं, डब्ल्यूबीबीएल-7 टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल होने वाली एकमात्र अन्य गैर-ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, जिन्हें टीम का कप्तान बनाया गया है। हरमनप्रीत ने इस सीजन में रेनेगेड्स के लिए 12 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 11 पारियों में 66.5 की औसत और 135.25 के स्ट्राइक रेट से 399 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 81 रन था। इसके अलावा, एक गेंदबाज के रूप में हरमनप्रीत ने 20.4 की औसत से 15 विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ 22 रन देकर 3 विकेट झटके। क्रिकेट डॉट कॉम.एयू ने सोमवार को लिखा, हरमनप्रीत कौर रेनेगेड्स के लिए बल्ले और गेंद के साथ एक प्रमुख खिलाड़ी रही हैं, जो अपने नए क्लब में शामिल होने के बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

सिंधू और श्रीकांत इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में लय बरकरार रखने की कोशिश करेंगे

बाली (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और दुनिया के पूर्व नंबर एक पुरुष खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 850,000 डॉलर (लगभग 6.32 करोड़ रुपए) इनामी राशि वाले इंडोनेशिया ओपन में अपनी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 750 में सेमीफाइनल तक का सफर करने के बाद यह दोनों शीर्ष भारतीय खिलाड़ी खिताब की तलाश में विश्व टूर सुपर 1000 स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पिछले हफ्ते (इंडोनेशिया मास्टर्स में) सिंधु के अभियान को जापान की अकाने यामागुची ने सीधे गेम में जीत के साथ खत्म किया था। यह अनुभवी खिलाड़ी इस हार से जल्दी उबरने की कोशिश करेगी। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की आया ओहोरी के खिलाफ करेंगी और अगर वह शुरुआती दौर सफल रहीं तो उनका क्वार्टर फाइनल में कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से सामना होने की संभावना है। पुरुष एकल में विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने भी लगातार दो टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल में पहुंचकर लय में होने के संकेत दिये है। 2017 में चार खिताब जीतने वाला यह खिलाड़ी लंबे समय चले रहे खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगा। श्रीकांत शुरूआती दौर में एक बार फिर हमवतन एचएस प्रणय का सामना कर सकते है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रणय को हराया था। पिछले साल कोविड-19 से संक्रमित रहे प्रणय ने श्रीकांत के खिलाफ मैच गंवाने से पहले टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता डेनमार्क के दिग्गज विक्टर एक्सेलसेन को हराया था। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज बी साई प्रणीत फ्रांस के तोमा जूनियर पोवोव के खिलाफ अपने अभियान को शुरू करेगा। 'रेस टू गुआंगझोउ' में चौथे स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को अपने शुरुआती मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार के विश्व चैम्पियन केंटो मोमोटा की मुश्किल चुनौती का सामना करना होगा। पारुपल्ली कश्यप पहले दौर में सिंगापुर के लोह कीन यू के खिलाफ उतरेंगे। अन्य भारतीयों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की छठी वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है, जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी कोरिया के चोई सोलग्यू और किम वोन हो से भिड़ेगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी महिला युगल में गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफनी स्टोएवा की पांचवीं वरीयता प्राप्त बुल्गारियाई जोड़ी का सामना करेगी। मिश्रित युगल में अश्विनी एवं बी सुमीत रेड्डी के अलावा सिक्की रेड्डी एवं ध्रुव और जूही देवांगन एवं वेंकट गौरव प्रसाद की भारतीय जोड़ियां चुनौती पेश करेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं सूर्यकुमार यादव

(एजेंसी)।

सूर्यकुमार यादव को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल किए जाने की संभावना है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज गुरुवार 25 नवंबर से कानपुर में शुरू होनी है। सूर्यकुमार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। सूर्यकुमार ने मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और खेल के प्रति अपने आक्रामक और निडर दृष्टिकोण से सभी को प्रभावित किया था। एक मीडिया हाउस की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव के न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है। सूर्यकुमार टेस्ट टीम में वापसी करेंगे। जानकारी के मुताबिक वह भारत की टेस्ट टीम में शामिल होंगे। यह सीरीज 2021-23 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पिछली बार दोनों टीमों ने सबसे लंबे प्रारूप में एक दूसरे के खिलाफ डब्ल्यूटीसी के उद्घाटन फाइनल में खेला था जिसमें केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम ने खिताब अपने नाम किया था। सूर्यकुमार के प्रदर्शन की बात करतें तो उन्होंने 77 फर्स्ट क्लास मैचों में 44 के औसत से 5,356 रन बनाए। अपने 11 साल लंबे प्रथम श्रेणी करियर में 14 100 और 26 अर्द्धशतक भी लगाए। इस तेजतर्रार बल्लेबाज ने 2010-11 के सत्र में दिल्ली के खिलाफ मुंबई के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था और डेब्यू मैच में 73 रनों की प्रभावशाली पारी खेलकर दर्शकों का ध्यान खींचा था। अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए अब तक 11 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और 34.85 की औसत व 155.4 की शानदार स्ट्राइक रेट से 244 रन बनाए हैं।

गेंदबाजों ने सीरीज में किया बेहतर प्रदर्शन : रोहित शर्मा

कोलकाता। भारत ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराकर सीरीज को अपने नाम किया। इस पर टी20 कप्तान रोहित शर्मा ने मेजबान टीम के लिए गेंदबाजों को सीरीज का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट बताया है। उन्होंने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि खासकर बीच के ओवरों में वो टीम के लिए आक्रामक विकल्प के रूप में मौजूद थे। नए कप्तान शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारत ने कोलकाता में न्यूजीलैंड को 73 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली, जिससे ऑस्ट्रेलिया में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत हुई। शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, सीरीज में गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हमारी पहले दो टी20 मैचों में न्यूजीलैंड द्वारा विस्फोटक शुरुआत के बाद वास्तव में गेंदबाजों ने वापसी करवाई। हमने तीनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। क्षेत्ररक्षण को लेकर उन्होंने कहा, जब भी मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं हमेशा सोचना चाहता हूं कि हमने कितने रन बचाए हैं और तीनों मैचों में हमने लगभग 15 रन बचाए। साथ ही रविवार के मैच में दो रन आउट भी किए। कप्तान शर्मा ने अश्विन की विशेष प्रशंसा की, जिन्होंने विश्व कप के दौरान टी20 में वापसी करने के बाद से नौ विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अश्विन ने बीच के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाते हुए महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उन्होंने अश्विन को लेकर आगे कहा, मुझे लगता है कि अश्विन के लिए यह एक शानदार वापसी रही है। उन्होंने लाल गेंद के साथ-साथ सफेद गेंद से भी सबको प्रभावित किया। उनका रिकॉर्ड खराब नहीं है, जिस तरह से उन्होंने दुबई में गेंदबाजी की और फिर यहां दो मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह उनके गुणों को दर्शाता है जो उसके पास है।

कानपुर में टेस्ट मैच में देखने को लिए दर्शकों को रखना पड़ेगा इस प्रोटॉकाल का ध्यान

कानपुर (एजेंसी)।

कानपुर में 25 नवंबर को होने वाले भारत व न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का विशेष ध्यान रखा जाएगा जिसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है और कोविड प्रोटोकॉल के तहत ही दर्शकों को स्टेडियम के अंदर प्रवेश करने का मौका मिलेगा। स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर कड़ी निगरानी रखने के लिए टीम गठित कर दी गई है। कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वैक्सीनेशन सर्टीफिकेट के विना कहीं प्रवेश की अनुमति नहीं हैं इसलिए बिना सर्टीफिकेट वाले व्यक्ति को प्रवेश ना दिया जाए। ग्रीन पार्क प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार तीन टी-20 सेंटरों में दो में 50 प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी गई थी, सिर्फ कोलकाता में यह 75 फीसदी दर्शकों के लिए अनुमति दी गई। हालांकि ग्रीनपार्क में नियमों के हिसाब से दर्शकों को काफी राहत दी गई है। 25 नवंबर से होने वाले टेस्ट मैच में ग्रीनपार्क की कुल क्षमता में 75 प्रतिशत दर्शकों को ही मैच देखने की अनुमति है। यूपीसीए के मुताबिक सीमित संख्या में प्रवेश द्वार खोले जाएंगे। इन सभी गेट पर थर्मल स्कैनर लगे होंगे। अगर किसी भी दर्शक को बुखार होगा तो उसे कतई प्रवेश नहीं दिया जाएगा।हर दर्शक दीर्घा में कोविड डेस्क बनेगी और सेनेटाइजर की भी व्यवस्था होगी। यूपीसीए के वेन्यू डायेक्टर डॉ. संजय कपूर ने बताया कि दर्शकों को मैच देखने के लिए मॉस्क लगाकर ही प्रवेश करना होगा। नियमों के पालन में कड़ाई रहेगी। उन्होंने कहा कि अन्य सेंटरों की तुलना में ग्रीनपार्क में दर्शकों को नियमों में काफी राहत दी गई है लेकिन जो भी तय है,उसका पालन दर्शकों को करना ही होगा।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी जूनियर विश्व कप में 16 टीमें भिड़ने के लिए तैयार

भुवनेश्वर। एफआईएच ओडिशा हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप का आगाज 24 नंवबर से भुवनेश्वर में होने वाला है। इस टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग ले रही हैं जो एक-दूसरे के साथ भिड़ने के लिए तैयार हैं। टूर्नामेंट में चार पूल बनाए गए हैं, जिसमें हर पूल में चार टीमों को शामिल किया गया। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। पूल ए में यूरोपीय बेल्जियम, मलेशिया, चिली और दक्षिण अफ्रीका को रखा गया। 24 नवंबर को बेल्जियम अपना पहला मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। गत चैंपियन भारत को पूल बी में कनाडा, फ्रांस और पोलैंड के साथ रखा गया है, जो पिछले हफ्ते यहां भिड़ने के लिए पहुंचे थे। कप्तान विवेक सागर प्रसाद की अगुवाई में भारत प्रतिष्ठित ट्रॉफी को बरकरार रखना चाहेगा, क्योंकि वे अपने घरेलू मैदान पर एक मजबूत टीम हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के लिए ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे विवेक ने कहा, हमारी टीम 2016 में चैंपियन बनी थी और अब हमारी टीम का लक्ष्य इसे बरकरार रखना है। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने टीम की तैयारियों पर कहा, भुवनेश्वर में जूनियर खिलाड़ियों ने सीनियर टीम के खिलाफ कुछ अभ्यास मैच खेले, जो काफी मूल्यवान थे। यहां आने के बाद से लगातार स्टेडियम में अभ्यास कर रहे हैं। कलिंग हॉकी स्टेडियम वास्तव में प्रतिष्ठित है। यह अच्छा है कि हम टूर्नामेंट शुरू करने से पहले यहां प्रशिक्षण ले रहे हैं। टूर्नामेंट में भारत 24 नवंबर को फ्रांस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। पूल सी में नीदरलैंड, स्पेन, कोरिया और अमेरिका आमने-सामने होंगे। वहीं, पूल डी में जर्मनी, पाकिस्तान, मिस्र और अर्जेंटीना एक-दूसरे के साथ खेलते नजर आएंगे।

क्लार्क बोले, कमिंस को टेस्ट कप्तान बनाए जाने का सही समय

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क को लगता है कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने का समय सही है। उन्होंने आगे कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ी कमिंस को कप्तानी करने में उनकी मदद कर सकते हैं। बता दें कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान टिम पेन एक विवाद के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसलिए, कमिंस को एशेज में ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाए जाने की बात चल रही है। पिछले कुछ दिनों में, कई पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने कमिंस को उपकप्तान से कप्तान बनाने के लिए कहा था। अब इस सूची में कमिंस का समर्थन करने वाले क्लार्क नए सदस्य बन गए हैं। क्लार्क ने स्काई स्पोर्ट्स रेडियो पर कहा, अगर हमारे पास तीन या पांच साल होते तो हम इस पर विचार कर सकते थे। लेकिन टीम में इतने सीनियर खिलाड़ी होने पर मुझे लगता है कि यह उनके लिए कप्तान बनने का सही समय है। क्योंकि वे उनकी मदद कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक खेले हैं। वे उनकी मदद कर सकते हैं।

पेंग शुआई के साथ IOC के इंटरव्यू के बाद अब और उठने लगे सवाल

बीजिंग (एजेंसी)।

लगभग तीन सप्ताह से दुनिया की नजरों से दूर चीन की टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक के साथ एक वीडियो कॉल में नजर आई हैं। आईओसी और चीनी सरकार चाहती है कि इसके साथ ही पेंग के लापता होने के विवाद का अंत हो जाए जो दो नवंबर से जारी है। पेंग ने पूर्व उप प्रधानमंत्री झांग गाओली पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। आईओसी और चीन इस विवाद को खत्म करना चाहते है लेकिन बाक के द्वारा किये गए इस साक्षात्कार से काफी कम जानकारी निकल कर सामने आयी और पेंग के आरोपों से संबंधित सवाल भी नहीं पूछे गए। महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) के अध्यक्ष और सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) स्टीव साइमन के इस साक्षात्कार से संतुष्ट होने की संभावना नहीं के बराबर है। वह इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे है। उन्होंने इस मामले में सही कदम नहीं उठाने पर देश से सभी शीर्ष स्तरीय डब्ल्यूटीए आयोजनों को वापस लेने की धमकी दी है। रविवार को आईओसी की ओर से वीडियो जारी होने के बाद डब्ल्यूटीए ने

एक बार फिर से साइमन की बातों को दोहराते हुए कहा कि इस मामले की 'बिना सेंसरशिप के' पूर्ण निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। आईओसी के अनुसार, पेंग ने बाक के साथ 30 मिनट तक बातचीत की और उसने एक बयान में कहा कि वह 'बीजिंग स्थित अपने घर में सुरक्षित और अच्छी तरह से है, लेकिन इस समय अपनी निजता का सम्मान चाहती है।

वेस्टइंडीज ने चोटिल सोलोजानो की जगह शाई होप को टीम में किया शामिल

गाले (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के लिए जेरेमी सोलोजानो की जगह पर शाई होप को टीम में शामिल किया है जो यहां रविवार को अपने पदार्पण टेस्ट मैच के पहले दिन गेंद लगने से चोटिल हो गए थे। वेस्ट इंडीज की ओर से मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा अनुमति मिलने के बाद होप को टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि सोलोजानी को मैच के दौरान दिमुथ करुणारत्ने का शॉट सिर में लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना रविवार को पहले दिन 24वें ओवर में हुई। गेंदबाज रोस्टन चेज ने श्रीलंकाई कप्तान को एक शाट बॉल डाली, जिस पर उन्होंने एक शक्तिशाली पुल शॉट लगाया और गेंद सीधे शाट लेग पर खड़े सोलोजानो के हेलमेट के आगे लगी ग्रिल से टकराई। गेंद इतनी तेजी से आई कि हेलमेट का अगला हिस्सा अपनी जगह से निकल गया। सोलोजानो मैदान पर गिर गए और कुछ पलों के लिए सुध बुध खो बैठे। ऐसे में खिलाड़ियों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। फीजियो ने उन्हें मैदान में आकर देखा और फिर उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में उन्हें स्कैन के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेज दिया गया। घटना के बाद शाम को अपडेट आया था कि स्कैन में सोलोजानो को किसी प्रकार अंदरूनी चोट नहीं आई है, लेकिन उन्हें निगरानी में रखने की जरूरत है।

पाकिस्तानी कप्तान अब्दुल बोले- अपनी हॉकी से पूरी दुनिया को हैरान कर देंगे

भुवनेश्वर । पाकिस्तान जूनियर हॉकी टीम के कप्तान अब्दुल राणा ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम आगामी विश्व कप में अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को हैरान कर देगी। तीन बार के ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान की सीनियर टीम 2016 और 2021 खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। जूनियर टीम अब भारत में जूनियर विश्व कप खेलने आई है जो बुधवार से भुवनेश्वर में खेला जाएगा। अब्दुल ने कहा कि हमारी सरकार और महासंघ के सीनियर अधिकारी काफी प्रयास कर रहे हैं। हमें यकीन है कि अगले एक दो साल में पाकिस्तानी हॉकी बेहतर होगी। इस टूर्नामेंट में भी हमारी टीम अच्छा खेलेगी। आप पाकिस्तान हॉकी में बदलाव देखेंगे। टीम एक ईकाई की तरह खेल रही है और परिवार का माहौल है। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान अपनी हॉकी से पूरी दुनिया को हैरान कर देगा। कोच दानिश कलीम ने भी उनके सुर में सुर मिलाया लेकिन कहा कि रोजगार के अभाव से पाकिस्तान में हॉकी का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हॉकी के पतन के कई कारण है लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि सीनियर और जूनियर टीमों की तैयारी शुरू हो चुकी है।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की तीन सदस्य कोरोना संक्रमित

हरारे (एजेंसी)।

जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में रविवार को शुरू हुए महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की तीन सदस्य कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुताबिक एक खिलाड़ी में कोरोना वायरस के हल्के लक्षण दिखने पर पूरी टीम का कोरोना टेस्ट किया गया थ, जिसमें तीन खिलाड़ी संक्रमित पाए गए। इनमें से दो खिलाड़ी हल्के लक्षण महसूस कर रहे हैं, जबकि तीसरे खिलाड़ी में कोई लक्षण नहीं है। बहरहाल एहतियात के तौर पर तीनों खिलाड़ियों सहित पूरी टीम को आइसोलेशन में भेज दिया गया है। संक्रमित पाए गए खिलाड़ी चिकित्सकीय देखरेख में हैं। टीम के अन्य सदस्य हालांकि नेगेटिव पाए गए हैं, लेकिन नीदरलैंड के खिलाफ मंगलवार को टीम के शुरुआती मैच से पहले खिलाड़ियों का एक और कोरोना टेस्ट किया जाएगा। आईसीसी के इवेंट्स प्रमुख क्रिस टेटले ने रविवार को एक बयान में कहा कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में 15 टीमें हैं, जिन्हें चोट और कोरोना सहित अन्य बीमारी की स्थिति में खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट (प्रतिस्थापन) की अनुमति है। इसके अलावा टीमों के पास अपने साथ रिजर्व खिलाड़ी रखने का भी विकल्प है। श्रीलंकाई टीम के सदस्यों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और मंगलवार को मैदान पर उतरने से पहले सभी का फिर से टेस्ट किया जाएगा। इवेंट बायो-सिक्योरिटी योजना हमें अन्य सभी खिलाड़ियों और प्रतिभागियों को सुरक्षित रखते हुए इवेंट को आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के इरादे से कोरोना पॉजिटिव मामलों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए प्रोटोकॉल प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा ले रही किसी टीम में कोरोना संक्रमण का यह दूसरा मामला है। इससे पहले पापुआ न्यू गिनी को टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था, क्योंकि उनके शिविर के अंदर कोरोना संक्रमण के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी बहुत कम थे जो कोरोना नेगेटिव हो।

सीनियर टीम के खिलाफ अभ्यास मैच बेहद उपयोगी : ग्राहम रीड

भुवनेश्वर । भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने सोमवार को कहा कि विदेशी प्रतिस्पर्धा के अभाव में जूनियर टीम के लिये एफआईएच जूनियर विश्व कप से पहले सीनियर हॉकी टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना बेहद उपयोगी रहा। यह टूर्नामेंट 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक यहां कलिंगा स्टेडियम में खेला जाना है जिसमें भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में उतरेगा। रीड ने कहा, 'हमें विदेशों में खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन हमने भुवनेश्वर में सीनियर टीम के खिलाफ कुछ मैच खेले जो कि बेहद उपयोगी रहे। भुवनेश्वर आने के बाद हमने स्टेडियम से सामंजस्य बिठाया।' उन्होंने कहा, 'कलिंगा स्टेडियम वास्तव में शानदार है। यह अच्छा है कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हम यहां अभ्यास कर रहे हैं।' मौजूदा चैंपियन भारत को कनाडा, फ्रांस और पोलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। ये सभी टीम पिछले सप्ताह ही यहां पहुंची। विवेक सागर की अगुवाई भारतीय जूनियर टीम अपने घरेलू दर्शकों के सामने यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखने की कोशिश करेगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के सदस्य विवेक ने कहा, 'हमारी टीम 2016 में चैंपियन बनी थी और हमारा लक्ष्य उसी तरह का प्रदर्शन करना है।' प्रतियोगिता में 16 देशों की टीम भाग ले रही हैं। टीमों को चार पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। पूल ए में यूरोपीय टीम बेल्जियम का सामना मलेशिया, चिली और दक्षिण अफ्रीका से होगा। नीदरलैंड, स्पेन, कोरिया और अमेरिका को पूल सी जबकि जर्मनी, पाकिस्तान, मिस्र और अर्जेंटीना को पूल डी में रखा गया है। बेल्जियम बुधवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

ट्रांसपोर्ट की आड में गांजा तस्करी का पर्दाफाश, क्राइम ब्रांच ने गांजा समेत 2 शख्सों को पकड़ा

सूरत।

ट्रांसपोर्ट की आड़ में गांजा की तस्करी का पर्दाफाश करते हुए सूरत क्राइम ब्रांच ने एक करोड़ कीमत के गांजा समेत दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया गांजा उड़ीसा से लाया जा रहा था। सूरत शहर क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि उड़ीसा से ट्रांसपोर्ट के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा लाया जा रहा है। गांजा ला रहा टेम्पो वेडछा पाटिया की ओर से सूरत में प्रवेश करेगा। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने रविवार की शाम पौने सात बजे सूरत के कडोदरा रोड वेडछा पाटिया स्थित विनायक पेट्रोल पंप निकट निगरानी बढ़ा दी। उस दौरान सूचना के मुताबिक एक टेम्पो के गुजरते ही पुलिस ने उसे रोक तलाशी ली। जिसमें रु. 10092900 कीमत का 100.29 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने सूरत के नानपुरा क्षेत्र निवासी 24 वर्षीय मोहमद फइम मोहमद रफीक शेख, सूरत के ख्वाजा दरगाह बडे खा चकला निवासी 45 वर्षीय मोहमद युसूफ गोस मोहमद शेख को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 4 मोबाइल, रु. 7 7 0 नकद और अशोक लेलेन्ड कंपनी के टेम्पो समेत कुल रु. 11214670 का माल सामान भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार शख्सों से पूछताछ में पता चला कि बरामद किया गया गांजा उडीसा के गंजाम जिले के बरामपुर में रहनेवाले दिलीप गोडा ने भेजा था और इसे सूरत के अरूण साहेबराव महाडीक ने मंगवाया था। गौरतलब है कि पुलिस के दबाव बढ़ने से तस्करों ने अब उडीसा से ट्रेन के बजाए ट्रांसपोर्ट के जरिए सूरत गांजा भेजने का तरीका अपनाया है। लेकिन पुलिस की सतर्कता से तस्करों को ट्रांसपोर्ट के जरिए भी सूरत में गांजा की पैठ कराने में सफलता नहीं मिली।

यूको बैंक अपने ग्राहकों को और भी बेहतर सुविधा प्रदान करेगी : अजय व्यास

सूरत भूमि, सूरत- यूको बैंक के ईडी कार्यपालक निर्देशक अजय व्यास सूरत की मुलाकात ली। उन्होंने यूको बैंक के स्टॉफ और ग्राहकों से मुलाकात की उन्होंने यूको बैंक के सूरत स्टाफ की तारीफ की और पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वर्ष 1985 में बैंक के इतिहास में एक नया अध्याय तब जुड़ा जब संसद के अधिनियम के तहत इसका नाम परिवर्तित कर यूको बैंक रखा गया। नाम परिवर्तन के बावजूद हमारे प्रति बैंक के ग्राहकों का सौहार्द बना रहा और और सामाजिक दायित्वों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बरकरार रही। आज भी देश के एक प्रभावी बैंक के रूप में हमारा बैंक सुख्यात है। यूको बैंक ने एक लंबी यात्रा तय की है और अपनी समस्त आंतरिक क्षमताओं के कारण यह ग्राहकों का मित्र बैंक तथा निपुण बैंकर का प्रतीक बन गया है। वस्तुत: यूको बैंक आपके विश्वास का सम्मान करता है।

आरबीआई ने कहा, यूको बैंक को पीसीए ढांचे से बाहर कर दिया है और प्रतिबंध हटा दिए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि निर्णय कुछ शर्तों और निरंतर निगरानी के अधीन है।केंद्रीय बैंक ने कहा कि वित्तीय पर्यवेक्षण बोर्ड द्वारा यूको बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा की गई और यह नोट किया कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इसके प्रकाशित परिणामों के अनुसार, बैंक पीसीए मापदंडों का उल्लंघन नहीं किया है। बैंक ने एक लिखित प्रतिबद्धता प्रदान की है कि वह न्यूनतम नियामक पूंजी के मानदंडों और सुधार के कदमों का पालन करेगा। आरबीआई के बयान में कहा गया है, उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया गया है कि यूको बैंक को कुछ शर्तों और निरंतर निगरानी के अधीन पीसीए प्रतिबंधों से बाहर कर दिया गया है। कोरोना संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने ग्राहकों को ब्याज दर में राहत की घोषणा की है. यूको बैंक ने कहा कि अब होम लोन पर ब्याज दर 6.50 फीसदी से शुरू होगी।

रुपयों की लेन-देन में शिष्य ने गुरु की हत्या कर दी

अमरेली।

जिले के खाखबाई गांव स्थित चामुंडा आश्रम की साध्वी रेखाबेन कुवाडा की तीक्ष्ण हथियार से वार कर हत्या की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साध्वी की बहन ने राजुला पुलिस थाने में मृतका के शिष्य के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करवा है। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले की राजुला तहसील के खाखबाई स्थित चामुंडा आश्रम में साध्वी रेखाबेन रावलदेव पिछले 15 वर्षों से सेवा-पूजा कर रही है। नमो नारायण नाम से जानी जाती साध्वी रेखाबेन शाम के वक्त आश्रम में गाय दोह रही थी। उस वक्त उनके शिष्य अरविंद डाभी ने तीक्ष्ण हथियार से साध्वी पर कई वार किए। जिसमें साध्वी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक साध्वी के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजुला के अस्पताल भेज दिया। मृतका की बहन ने साध्वी के शिष्य के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज करवाई है। जानकारी है कि अरविंद डाभी ने रुपयों के लेन-देन में साध्वी रेखाबेन की हत्या कर दी। अरविंद डाभी भी चामुंडा आश्रम में रहता था और आए दिन साध्वी से आश्रम की जमीन देने की मांग करता था। लेकिन 15 दिन पहले वह आश्रम से चला गया था। बीते शाम अरविंद डाभी आश्रम पहुंचा और साध्वी पर उस वक्त हमला कर दिया जब वह गाय दोह रही थी। राजुला पुलिस ने साध्वी की बहन की शिकायत के आधार पर अरविंद डाभी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है।

गाय को मारकर खाते शेर को देखते लोगों का वीडियो हुआ वायरल

जूनागढ़ । गुजरात के जूनागढ़ के गिर जंगल के एक गांव में अवैध कार्यक्रम में एक शेर को चारे के रूप में पोल से बंधी गाय का लालच देने और गाय को मारकर उसे अपना भोजन बनाते शेर को देखते लोगों का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना की अब तक की जांच के अनुसार यह अवैध कार्यक्रम गिर जंगल के देवलिया रेंज के एक गांव में आठ नवंबर को आयोजित किया गया था। गिर वन अभयारण्य को सासन-गिर के नाम से भी जाना जाता है जो एशियाई शेरों का ''निवास'' है।

उप वन संरक्षक (जूनागढ़), एसके बेरवाल ने कहा, ''हमने 12 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है और तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई एक वीडियो के आधार पर की गई है। वीडियो में एक एशियाई शेर पोल से बंधी गाय को मारते दिख रहा है और इसे देखने के लिए वहां लोगों का एक समूह इकट्ठा हुआ है। आयोजक ने अवैध कार्यक्रम करने के इरादे से गाय को चारा के रूप में इस्तेमाल किया था।'' वीडियो में शेर गाय को अपना भोजन बनाते दिख रहा है, जबकि समूह के लोग इसे दूर से देख रहे होते हैं। उनमें से कुछ लोग मोबाइल फोन पर इसकी रिकॉर्डिंग करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह शेर के इस्तेमाल वाले कार्यक्रम का अनूठा मामला है, जहां किसी ने शेर को आकर्षित करने के लिए चारा दिया। अब तक की जांच से पता चला है कि यह कार्यक्रम आठ नवंबर को आयोजित किया गया था और हम यह निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं कि मामले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आगे की जांच जारी है।'' अधिकारी ने बताया कि आरोपी व्यक्तियों पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें शिकार से संबंधित धाराएं (धारा 9) शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में गिर सोमनाथ की एक अदालत ने एक एशियाई शेर को परेशान करने के आरोप में छह लोगों को तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। वीडियो में एक शख्स चारे के तौर पर मुर्गे को लटकाकर शेरनी को लालच देते हुए दिखा था।

कांग्रेस अन्य भाषा-भाषी सेल द्वारा वेस्टर्न रेलवे जीएम दिया गया ज्ञापन

उधना स्टेशन से गोरखपुर देवरिया के लिए ट्रेन की मांग कि गयी

पैसेंजर ट्रेन जो सूरत से भुसावल के लिए चलाई जाती थी काफी समय से बंद है इस पैसेंजर ट्रेन को पुन: शुरू किया जाए जिससे कि यात्रियों को यात्रा करने में कोई असुविधा ना हो

सूरत भूमि, सूरत-

आज सूरत शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य भाषा-भाषी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शशिभाई दुबे की अध्यक्षता में उधना रेलवे स्टेशन की विभिन्न समस्याओं के संबंध में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल को आवेदन दिया गया है. और यह भी सुझाव दिया गया कि उन समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी के सूरत शहर उपाध्यक्ष हरीश कुमार सूर्यवंशी, प्रदेश मंत्री रोशनभाई मिश्रा, सुनिलभाई शेख वार्ड अध्यक्ष फारूकभाई, अरविंद यादव, संतोष शुक्ला, शैलेशभाई राजपूत समेत अन्य नेता मौजूद थे।

वाइब्रेंट समिट से पहले राज्य सरकार ने 2418 5.22 करोड़ के 20 एमओयू पर किए हस्ताक्षर

गांधीनगर ।

गुजरात को ग्लॉबल डेस्टिनेशन फोर इन्वेस्टमेंट के तौर पर प्रस्थापित कर रही वाइब्रेंट समिट की 10वीं श्रृंखला के प्रारंभ से पूर्व आज गुजरात सरकार ने रु. 24185.22 करोड़ के पूंजी निवेश के लिए 20 जितने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पूंजी निवेश से राज्य में करीब 36925 जितने रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घ दृष्टि और प्रयासों से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट उत्तरोत्तर नए रिकार्ड कायम कर रही है। आगामी जनवरी 2022 में होनेवाली समिट आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत की प्रगति और सफलता की गाथा को और गति से आगे बढ़ाएगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वैश्विक विकास की जो नींव समिट से रखी है उसके परिणाम से आज गुजरात देश और दुनिया के निवेशकों के लिए एक सक्षम माध्यम बना है। राज्य सरकार भी नरेन्द्र मोदी के पदचिह्नों पर चलकर सकारात्मक बिजनेस पॉलिसी और प्रोत्साहक वातावरण से ज्यादा से ज्यादा उद्योग राज्य में आए इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निवेशक जिसके लिए निवेश कर रहे हैं, उस उद्योग को समय पर शुरू करने की जिम्मेदारी निभाएं। राज्य सरकार उद्योगों को सभी आवश्यक मदद करने के प्रति संकल्पबद्ध है। आज जिन एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) में दो प्रोजेक्ट शामिल हैं। इस क्षेत्र में राज्य समेत केन्द्र सरकार दोनों की ओर से विशेष ध्यान दिया जाता होने से निवेशकों को अत्याधुनिक ढांचागत सुविधाओं समेत व्यापक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। पीएम मोदी की गतिशक्ति योजना के लिए भी धोलेरा एसआईआर मुख्य चालक बल साबित होगा, जिसके आधार पर आगामी 5 वर्षों में अनेक मेगा प्रोजेक्ट की नींव रखी जाएगी। जिन उद्योगकारों ने पूंजी निवेश में रुचि दिखाई है, उसमें उत्पादन, रसायण, एग्रोकैमिकल्स, टेनिकल टेक्सटाइ, दवाई उद्योग, कृषि साधन कंपनियों समेत अन्य विविध क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं। इस पूंजीनिवेश के जरिए आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। आगामी समिट के जरिए बिजनेस समेत समाज के लिए सर्व समावेशक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा और उससे स्थानीय उत्पादनों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जा सकेगा।

गुजरात में ग्राम पंचायतों के चुनाव का ऐलान, 19 दिसंबर को मतदान, 21 को नतीजे

अहमदाबाद।

गुजरात निर्वाचन आयोग ने आज राज्य की 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में चुनाव का ऐलान कर दिया। साथ ही 1 हजार जितनी ग्राम पंचायतों में उपचुनाव कराने की भी घोषणा की गई है। चुनावों की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है। राज्य चुनाव आयोग ने राज्य की 10879 ग्राम पंचायतों में 10284 सरपंच के चुनाव और 89702 वार्ड के सदस्यों के चुनाव कराने की घोषणा की है। 31 मार्च 2022 के बाद पूर्ण होनेवाली और अवधि पूर्ण होने का समय शेष हो, लेकिन प्रसंगोपात रिक्त सीटों पर उपचुनाव भी कराए जाएंगे। साथ विभाजनवाली और मध्यावधि चुनाव वाली ग्राम पंचायतों में भी 19 दिसंबर को वोटिंग कराई जाएगी। ग्राम पंचायतों में चुनाव के ऐलान के साथ ही आचार संहिता आज से लागू हो गई है। चुनावों के लिए 29 नवंबर 2021 को अधिसूचना जारी की जाएगी और उसे दिन से उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन भरने की अंतिम तारीख 4 दिसंबर 2021 है। 6 दिसंबर 2021 को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख । दिसंबर 2021 है। ग्राम पंचायतों में 19 दिसंबर 2021 को सुबह । बजे से 6 बजे तक मतदान होगा। जरूरत पड़ने पर 20 दिसंबर 2021 को पुनर्मतदान होगा और 21 दिसंबर 2021 को मतगणना की जाएगी। 24 दिसंबर 2021 को चुनाव प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक ग्राम पंचायत की चुनाव प्रक्रिया में नोटा का भी उपयोग किया जा सकेगा। ग्राम पंचायतों के चुनाव के लिए पर्याप्त संख्या में ईवीएम उपलब्ध नहीं होने के वजह से बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएंगे और इसके लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू क दी हैं। बता दें कि राज्य में फिलहाल 18 225 गांवों में 14929 ग्राम पंचायतें अस्तित्व में हैं। 191 नई ग्राम पंचायतों को मंजूरी मिलने से ग्राम पंचायतों की संख्या 15120 हो गई है और इसमें 10879 ग्राम पंचायतों में 19 दिसंबर को मतदान होगा। राज्य में 300 गांव ऐसे हैं, जहां जनसंख्या 200 से भी कम है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 4। गांवों में 200 से कम लोग रहते हैं। ऐसे में ग्राम पंचायत चुनावों को देखते हुए राज्य सरकार ने 153 ग्राम पंचायतों के विभाजन को मंजूरी प्रदान कर दी है।

सूरत स्थित बैंड द तापी प्रोजेक्ट, भारत में शीर्ष तीन संगीत प्रतिभाओं में से एक:सोंग्सडीयु द्वारा प्रस्तुत सर्ज कार्यक्रम के लिए चयनित

सूरत

HTML के साथ साझेदारी में SongDue की घोषणा की, सबसे महत्वाकांक्षी कलाकार प्रबंधन कार्यक्रम - सृजन का परिचय, जो देश में इंडी संगीत को एक बड़ा बढ़ावा देगा। 360-डिग्री पहल के हिस्से के रूप में, सर्ज चयनित इंडी कलाकारों को शुरू से अंत तक समर्थन प्रदान करेगा, इसलिए वे अपने अंदाज में अगली म्यूजिक सेंसेशन बन सकती हैं। सूरत स्थित बैंड तापी प्रोजेक्ट में तीन कलाकार/बैंड हैं जिन्हें इस प्रकार के कार्यक्रम के लिए चुना गया है। सर्जन के परिचय के बारे में बोलते हुए, सोंगसड्यू के संस्थापक सुनील खन्ना कहते हैं,"भारत संगीत के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है,तो, दूसरी ओर फिल्म में संगीत का हिस्सा कम हो रहा है और दूसरी तरफ भारत में अधिकांश प्रतिभाशाली अभिनेता विभिन्न शैलियों में अद्भुत संगीत की रचना कर रहे हैं। कलाकारों को इस समय समर्थन की जरूरत है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सकें। पेश है सर्ज की प्रस्तुति के साथ हमारा #PureUncorruptedMusic।

निर्माण के हिस्से के रूप में, चयनित कलाकारों को उनके सोशल मीडिया के प्रबंधन में समर्थन प्राप्त होगा, और उन्हें अभियान की प्रस्तुति और उनके संगीत स्नरू फीवर में,इसे Radio One, Songsdu TV और HTML और Songsdu की अन्य डिजिटल संपत्तियों पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, समर्पित कलाकारों की प्रबंधन टीम उन्हें राजस्व उत्पन्न करने में मदद करती है।

फीवर एफएम के बिजनेस हेड नीरज सारस्वत कहते हैं, च्च्हम लंबे समय से भारतीय संगीत के लिए बहुत अधिक खिंचाव का अनुभव कर रहे हैं। और यह पहल चुनिंदा कलाकारों को अपने संगीत को व्यापक दर्शकों तक ले जाने में मदद करेगी।

सोंग्स दून के संयोजन में इस पहल की शुरुआत करते हुए हमने इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में तीन अद्भुत प्रतिभाओं का चयन किया है। समय के साथ हम कार्यक्रम में और कलाकारों को जोड़ेंगे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)